सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
9303289950
7987166110

वर्ष- 17 अंक - 310 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 24 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

हाईकोर्ट का निर्देश- हर समय चालू रहें थानों के सीसीटीवी कैमरे

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश के पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बैंच ने कहा कि थानों में केवल कैमरे लगाना पर्याप्त नहीं है। सीसीटीवी हर समय चालू रहना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार कम से कम 18 महीने तक के फुटेज सुरक्षित रखना जरूरी है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस अधिकारियों को सीसीटीवी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने के साथ पर्याप्त स्टोरेज और पावर बैकअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी लापरवाही के कारण इलेक्ट्रॉनिक सबूत नष्ट नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए।

पुलिस विभाग में खाली पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर हल्लाबोल

कवर्धा। छत्तीसगढ़ पुलिस भर्ती में रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा के आवास के बाहर डेरा डाल दिया है। उनका कहना है कि स्वीकृत पदों में बड़ी संख्या अब भी खाली हैं, इसलिए भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाकर रिक्त पदों पर नियुक्ति दी जानी चाहिए। अभ्यर्थियों के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस भर्ती में कुल 5,967 पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से 1,940 पद अभी भी रिक्त हैं। प्रदर्शन कर रहे उम्मीदवारों की मांग है कि इन खाली पदों को भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जाए और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अवसर दिया जाए। रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर अभ्यर्थी गृह मंत्री विजय शर्मा के आवास के बाहर जुटे हैं। अभ्यर्थियों ने सरकार से मांग की है कि स्वीकृत लेकिन खाली पड़े पदों का विवरण सार्वजनिक किया जाए और जल्द से जल्द नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाए।

तय सीमा से ज्यादा सिम खरीदने-रखने वालों पर सख्ती

नई दिल्ली। सरकार की ओर से मोबाइल सिम कार्ड को लेकर नई सख्त नीति आज (24 अगस्त 2026) से लागू हो गई। इस नीति के जरिए अब टेलीकॉम ऑपरेटर्स से सिम कार्ड के गलत इस्तेमाल पर रोक सुनिश्चित कराई जाएगी। ऐसा नहीं है कि सरकार की तरफसे सिम कार्ड को लेकर पहले से कोई नीति नहीं है, लेकिन अब जो नियम लागू हुए हैं, उनसे सरकार की ओर से सिम कार्ड के निगरानी तंत्र को और मजबूत किया जाएगा। ग्राहकों के लिए सिम कार्ड रखने की मूल सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारत के अधिकतर हिस्सों में एक व्यक्ति अपने नाम पर अधिकतम नौ मोबाइल कनेक्शन (सिम) रख सकता है। वहीं जम्मू-कश्मीर, असम और उत्तर-पूर्वी राज्यों में यह सीमा छह सिम कार्ड की है। यह सीमा सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों और सर्किलों को मिलाकर लागू होती है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री साय

मार्च 2027 तक प्रदेश के 5 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सौर ऊर्जा भविष्य की ऊर्जा है और छत्तीसगढ़ इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ भी सौर ऊर्जा की अपनी अपार संभावनाओं का उपयोग करते हुए ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को मजबूती दे रहा है। प्रदेश में मार्च 2027 तक 5 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ सोलर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'संवाद' कार्यक्रम के समापन पर यह बात कही।

सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में पहले से ही मजबूत स्थिति में है और वर्तमान में प्रदेश में लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। राज्य में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 3 लाख 50 हजार करोड़ के एमओयू हुए हैं, जिनसे आने वाले समय में लगभग 30 हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सौर ऊर्जा के साथ ग्रीन एनर्जी के अधिकतम उपयोग पर विशेष जोर दे रहे हैं। सूर्य हमें प्रकृति से प्राप्त स्वच्छ, अक्षय और प्रचुर ऊर्जा स्रोत प्रदान करता है।

सौर ऊर्जा से कम होगी जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता

सौर ऊर्जा का व्यापक उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्रीमोदी ने वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इस राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने में छत्तीसगढ़ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश में आने वाले समय में 4 हजार मेगावाट ग्रीन एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। सौर ऊर्जा का विस्तार केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है।

सौर ऊर्जा से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही नारी शक्ति

प्रदेश में महिला स्व-सहायता समूहों की बहनें अब सोलर वेंडर के रूप में आगे आ रही हैं और हितग्राहियों के घरों में सोलर संयंत्र स्थापित करने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महिला वेंडरों से संवाद किया। महिलाओं ने बताया कि वे स्वयं हितग्राहियों के घर जाकर सोलर संयंत्र स्थापित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह बदलते और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की प्रेरक तस्वीर है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 2 लाख 82 हजार स्व-सहायता समूहों से 30 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं और 13 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। हमारी माताएं-बहनें प्रतिभा और उद्यमशीलता से परिपूर्ण हैं।

बढ़ रहे रोजगार के अवसर

सौर ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों से उन्हें जोड़कर रोजगार, स्वरोजगार और आयवृद्धि के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'संवाद' कार्यक्रम अपने नाम के अनुरूप सार्थक सिद्ध हुआ है। सौर ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न पक्षों के एक मंच पर आने, अनुभव साझा करने और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करने से निश्चित रूप से प्रदेश में इस क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। साथ ही प्रदेश सोलर एनर्जी के क्षेत्र में आगे बढ़ता रहेगा।

सीएम साय के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उससे छत्तीसगढ़ सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा के विकास की मजबूत नींव रखी गई है और अब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इसे नई गति मिल रही है। छत्तीसगढ़ सोलर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सोलर वेलफेयर एसोसिएशन की डायरेक्टरी का विमोचन भी किया।

विधायक रिकेश को राखी बांधने लोकांगन पहुंची हजारों बहनें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर वैशाली नगर विधानसभा में भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और आत्मीय रिश्ते की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। वैशाली नगर स्थित लोकांगन परिसर में रविवार को 11 हजार से अधिक बहनें अपने विधायक भाई रिकेश सेन को रक्षासूत्र बांधने पहुंचीं। अल्प सूचना पर इतनी बड़ी संख्या में बहनों के पहुंचने से लोकांगन परिसर ही नहीं, बल्कि गरबा ग्राउंड और आसपास का क्षेत्र भी बहनों की कतारों से भर गया।

रविवार की सुबह से ही बहनों का लोकांगन पहुंचना शुरू हो गया था। बीती रात विधायक रिकेश सेन के वीडियो संदेश के बाद महज कुछ घंटों के भीतर बड़ी संख्या में बहनें उन्हें राखी बांधने पहुंच गईं। आयोजन में रखी गई कुर्सियां कम पड़ गईं और दोपहर से शाम तक बहनें अपनी बारी का इंतजार करती नजर आईं। दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक विधायक सेन लगातार बहनों से रक्षासूत्र बंधवाते रहे।

व्यवस्था को लेकर भी विधायक स्वयं सक्रिय नजर आए। लोकांगन के हर हिस्से में पहुंचकर उन्होंने बहनों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि कोई भी बहन निराश होकर नहीं लौटेगी। उन्होंने कहा कि पार्षद से लेकर विधायक बनने तक वैशाली नगर की बहनों ने जिस आत्मीयता से उन्हें अपना भाई मानकर स्नेह और आशीर्वाद दिया है, उस रिश्ते का मान रखना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि जो बहनें आज उनसे नहीं मिल पाईं, उनके लिए भी अगले एक सप्ताह तक उपलब्ध रहने का प्रयास करेंगे।

जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नईदिल्ली। झारखंड संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने केंद्र और झारखंड सरकार को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत के इस कदम से अब केंद्र और झारखंड सरकार को मामले में अपना पक्ष रखना होगा।

तमिलनाडु में महिलाओं को बड़ा तोहफा: मुफ्त बस यात्रा से लेकर फ्री सिलिंडर का ऐलान

चेन्नई ए.। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना का विस्तार करने की घोषणा की। इसके साथ ही लाभार्थियों के लिए डीलक्स और एक्सप्रेस जैसी सेवाओं को भी मुफ्त कर दिया। विधानसभा में कई घोषणाएं करते हुए, विजय ने टीवीके के मुख्य चुनावी वादों को पूरा किया। उन्होंने तीन मुफ्त कुकिंग गैस सिलिंडर देने और परंदूर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को रद्द करने की घोषणा की। बता दे कि किसानों ने इस प्रोजेक्ट का जोरदार विरोध किया था क्योंकि वे अपनी जमीन नहीं छोड़ना चाहते थे।

सीएम विजय ने नियम 110 के तहत बयान देते हुए कहा, 'महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा 'वेत्री पयनम' का लाभ उठाने के लिए आय की सीमा या यात्राओं की संख्या जैसी कोई शर्त नहीं होगी।' महिलाएं मेट्रोपॉलिटन और शहरी इलाकों में चलने वाली एक्सप्रेस, एलएसएस और डीलक्स सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के मौके पर शुरू की जाएगी। इससे राज्य सरकार पर हर साल 6,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा।

विजय ने कहा सरकार ने कुकिंग गैस सिलिंडर की कम कीमत में देने का फैसला किया है। पहले चरण में तीन मुफ्त एलपीजी सिलिंडर दिए जाएंगे और सिलिंडर की कीमत सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

इंस्टा-टेलीग्राम पर नीट पीजी पेपर लीक का दावा

नईदिल्ली ए.। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट, पोस्टग्रेजुएट को लेकर सोशल मीडिया पर पेपर लीक की खबरें वायरल हो रही हैं। इन खबरों के बीच नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल साइंसेज ने बड़ा अलर्ट जारी किया है। बोर्ड ने नीट पीजी का पेपर लीक होने की सभी खबरों और दावों को फर्जी और धोखाधड़ी वाला बताया है। NBEMS ने उम्मीदवारों को ऐसे सोशल मीडिया चैनलों और हैंडल से सावधान रहने की सलाह दी है, जो नीट पीजी 2026 का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा कर रहे हैं। NBEMS ने पेपर लीक से जुड़े दावों को खारिज कर दिया है। बोर्ड के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स और व्हाट्सऐप चैनल के जरिए जारी बयान में कहा गया है कि नीट पीजी 2026 का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा करने वाले चैनल फर्जी हैं। उम्मीदवारों को ऐसे दावों के झांसे में न आने की सलाह दी गई है।

मुंबई में गणपति जुलूस पर अंडे फेंकने से मचा बवाल, दो गुट भिड़े, पुलिस ने संभाला मोर्चा

मुंबई ए.। मुंबई के मझगांव इलाके में रविवार रात गणेश प्रतिमा के आगमन जुलूस के दौरान कथित तौर पर अंडे फेंके जाने के बाद दो गुटों के बीच तनाव और झड़प की स्थिति बन गई। घटना के बाद इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी। गणेश उत्सव आयोजकों ने घटना को लेकर आरोप लगाए हैं, जबकि जिम्मेदार लोगों की पहचान और कार्रवाई को लेकर पुलिस की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह घटना गणेश प्रतिमा के आगमन जुलूस के दौरान हुई। गणेश उत्सव के आयोजकों का आरोप है कि जुलूस जब इलाके से गुजर रहा था, उसी दौरान कुछ लोगों ने उनकी ओर अंडे फेंके। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और दो गुटों के बीच विवाद बढ़ गया। गणेश मंडल के कार्यकर्ता प्रतिमा को लेकर जुलूस निकाल रहे थे। आरोप है कि गणपति की प्रतिमा के आगमन के बाद पास की इमारतों से किसी व्यक्ति ने जुलूस की ओर अंडा फेंका। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी बढ़ गई और देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कि गया है। पुलिर्स लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं और किसी भी संभावित विवाद को बढ़ने से रोकने के लिए संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों की ओर से फ्लिहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अंडे फेंकने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान हुई है या नहीं। मामले में पुलिस की जांच जारी है और घटनाक्रम से जुड़े लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है।

संपादकीय

अग्निपरीक्षा

पश्चिम बंगाल में आग की घटनाएं

पश्चिम बंगाल और अग्निकांडों के बीच यह कैसा नाता है? साल 2025 से, वहां होटलों और गोदामों में आग लगने की बड़ी घटनाओं में लगभग 65 लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें से कई गरीब व प्रवासी मजदूर और तीर्थयात्री रहे हैं। यह राज्य भारतीय कारखानों और औद्योगिक इकाइयों के अमूमन खराब अग्नि सुरक्षा रिकॉर्ड के साथ-साथ लालच, कानूनों की उपेक्षा, भ्रष्टाचार, और जान-माल के लिए न के बराबर सम्मान के साथ बसाये गये शहरों व कस्बों का एक घोर उदाहरण लगता है। 'शिखा इन' कोलकाता में मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित एक सदी-पुरानी इमारत में था, जिसमें, ऐसा लगता है कि कई होटल थे उसके पांचों तलों पर। स्वाभाविक तौर पर यह इमारत होटल के लिए नहीं बनी थी। 'शिखा इन' ठीक वही है जो भारत में प्राय: होता है, जहां एक खास लोड के हिसाब से डिजाइन किये गये इलेक्ट्रिकल सिस्टम वाली पुरानी इमारत का प्रयोजन झटपट बदल दिया जाता है, और बिना यह सोचे आधुनिक उपकरण जोड़ दिये जाते हैं कि सिस्टम एयर-कंडीशनरों, वाशिंग मशीनों, हीटरों और इंडक्शन चूल्हों को संभाल पायेगा या नहीं। जैसा कि नजर आता है, तारापीठ में 17 अगस्त को लगी आग की वजह भी बिजली थी और जिसने जान ली वह धुआं था। आग तेजी से फैली क्योंकि इस तीर्थयात्री होटल ने ज्वलनशील सामग्री का काफी इस्तेमाल कर रखा था। अप्रैल 2025 में जिस ऋतुराज होटल में आग लगी थी, वह भी एक ऐसी इमारत थी जिसका प्रयोजन बदला गया था। सिर्फ एक सीढ़ी होने के कारण, पहली मंजिल पर लगी आग ने बाहर निकलने का रास्ता बंद कर दिया, और मिर्जा गालिब स्ट्रीट की आग की तरह ही, ऊपर मौजूद लोग धुएं में फंस गये।

> "'शिखा इन' कोलकाता में मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित एक सदी-पुरानी इमारत में था, जिसमें, ऐसा लगता है कि कई होटल थे उसके पांचों तलों पर। स्वाभाविक तौर पर यह इमारत होटल के लिए नहीं बनी थी। 'शिखा इन' ठीक वही है जो भारत में प्राय: होता है, जहां एक खास लोड के हिसाब से डिजाइन किये गये इलेक्ट्रिकल सिस्टम वाली पुरानी इमारत का प्रयोजन झटपट बदल दिया जाता है, और बिना यह सोचे आधुनिक उपकरण जोड़ दिये जाते हैं कि सिस्टम एयर-कंडीशनरों, वाशिंग मशीनों, हीटरों और इंडक्शन चूल्हों को संभाल पायेगा या नहीं। जैसा कि नजर आता है, तारापीठ में 17 अगस्त को लगी आग की वजह भी बिजली थी और जिसने जान ली वह धुआं था। आग तेजी से फैली क्योंकि इस तीर्थयात्री होटल ने ज्वलनशील सामग्री का काफी इस्तेमाल कर रखा था। अप्रैल 2025 में जिस ऋतुराज होटल में आग लगी थी, वह भी एक ऐसी इमारत थी जिसका प्रयोजन बदला गया था।

पश्चिम बंगाल में नयी भाजपा सरकार को इन हादसों ने तृणमूल कांग्रेस पर हमले के लिए और मसाला दे दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह जरूर कहा कि कोलकाता की इस आग की अनदेखी करना नामुमकिन है, मगर जिम्मेदार उन्होंने लापरवाही की विरासत को बताया। यह सच हो सकता है, लेकिन इससे कोई मकसद हल नहीं होने वाला। पिछली सरकार की तरह मौजूदा सरकार में भी अलग से एक दमकल मंत्री हैं।

राज्यव्यापी सुरक्षा ऑडिट जैसी पुख्ता कार्रवाई के वादे किये गये हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि सुधारात्मक कार्रवाई से ज्यादा फोकस तृणमूल पर है। शुभेंदु अधिकारी को चुनाव अभियान के घोड़े से उतरना चाहिए और हाथी की तरह विकराल समस्या, यानी जर्जर बुनियादी ढांचे पर ध्यान देना चाहिए। अपने पहले 100 दिनों में, सरकार ने पश्चिम बंगाल में चरमराते बुनियादी ढांचे पर काफी हद तक चुप्पी साधे रखी है। शहरी जीवन, औद्योगीकरण, संस्कृति और प्रगतिशील राजनीति के समृद्ध इतिहास वाला यह राज्य कभी राष्ट्र को राह दिखाया करता था, लेकिन अब सड़कों, इमारतों, सुख-सुविधाओं और शासन में अधिकांश भारत से पिछड़ गया है। शहरी नवीकरण पूरे भारत में भाजपा की खासियत है और राज्य भाजपा भी इसे अपनाए तो पश्चिम बंगाल का भला होगा। धरोहर इमारतों और संरक्षण का अपना मोल है, खासकर पर्यटन के लिए, लेकिन आज की जरूरतों के हिसाब से एहतियात भरी प्लानिंग जरूरी है। शुभेंदु अधिकारी को शासन को क्षुद्र राजनीति से ऊपर रखना चाहिए और बुनियादी ढांचे पर फोकस करना चाहिए।

बांग्लादेश से बेहतर संबंधों की अनिवार्यता

ज्योति मल्होत्रा

बदलती परिस्थितियों में भारत-बांग्लादेश संबंध काफी महत्वपूर्ण हैं। शेख हसीना से जुड़े विवादों से ऊपर उठकर मौजूदा व्यवस्था में बांग्लादेश के नए सियासी नेतृत्व से संबंध मजबूत करने चाहिए। ढाका में चीन और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव के चलते यह और भी जरूरी है। ऐसे में संवाद प्रक्रिया के बीच प्रधानमंत्री मोदी की हालिया पहल सकारात्मक कही जाएगी।

बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति मिर्जा फख़्र-उल-इस्लाम आलमगीर, जो कभी वामपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखते थे, मार्च 1971 में 23 साल के थे और उस वक्त उत्तरी पूर्वी पाकिस्तान के ठाकुरगांव में अपने घर थे, जब उन्होंने सुना कि पाकिस्तानी सेना के अफसरों ने देश में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' शुरू कर दिया है और निहत्थे बांग्लादेशी राष्ट्रवादियों, बुद्धिजीवियों व नेताओं का नरसंहार कर रहे हैं। दो दिन बाद, 27 मार्च को, आलमगीर व उनके दोस्तों ने रेडियो पर मेजर ज़िया-उर-रहमान को सुना जो पाकिस्तानी सेना में अधिकारी थे और चटगांव (तब चिट्टागोंग) में गुप्त जगह से शेख मुजीबुर्रहमान की ओर से आज़ाद बांग्लादेश बनाने की अपील कर रहे थे- यह संदेश बीबीसी व रेडियो ऑस्ट्रेलिया ने प्रसारित किया था।

मेजर ज़िया ने अपना भाषण खत्म करते कहा, 'जॉय बांग्ला'! यह नारा पहली बार उन्होंने दिया जो आने वाले हफ़्तों व महीनों में आज़ादी का प्रतीक घोष बन गया- जहां इंदिरा गांधी और जॉर्ज हैरिसन जैसे राजनेताओं ने इसे पसंद किया वहीं याह्या खान और हेनरी किसिंजर ने नापसंद किया- इसने पूरे देश को भारत के साथ मिलकर 'मुक्ति वाहिनी' बनाने के लिए एकजुट किया, आगे चलकर साल के अंत तक भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ और बांग्लादेश आज़ाद हुआ।

अप्रैल, 1971 में ठाकुरगांव में हालात बिगड़ने लगे थे। हालांकि, सीमा पार महज़ 55 किमी दूर बिहार के किशनगंज ज़िले में भी,ठाकुरगंज नामक एक जुड़वां शहर है- आलमगीर और उनका परिवार शरणार्थियों के सैलाब के साथ नागर नदी पार कर भारत के पश्चिम दिनाजपुर ज़िले में आ गया। वहां, इस्लामपुर में, साइकिल रिपेयर करने वाले दिलीप ने परिवार को एक कमरे में सोने की जगह दी। ज्योति बसु के पश्चिम बंगाल और कर्पूरी ठाकुर के बिहार ने शरणार्थियों को कपड़े दिए, यूथ कैंपों में पुरुषों को 'ट्रेनिंग' दी। कुछ हफ़्ते बाद, इंदिरा गांधी सरकार भी इस अभियान में खुलकर शामिल हुई। अन्य लोगों से साथ आलमगीर को देहरादून में गहन 'प्रशिक्षण' दिया गया।

55 साल से ज़्यादा वक्त बाद, अगर ढाका के कुलीनों की मानें तो बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और वर्तमान में राष्ट्रपति आलमगीर ने प्रधानमंत्री तारिक़ रहमान को, जो उन्हीं मेजर जिया के बेटे हैं जिनके 'जॉय बांग्ला' नारे ने बंगालियों में जोश भर दिया था - और इसी नारे पर कई चीज़ों के नाम पड़े, जिनमें सीमा पर बंगाल-बिहार-त्रिपुरा-असम सीमावर्ती इलाकों में बने सैकड़ों शरणार्थी कैंपों की वजह से भारत में फैला संक्रामक बुखार भी शामिल था उनको सलाह दी है कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से मिलने दिल्ली जाना चाहिए, भले ही शेख हसीना कुछ भी कहती रहें।

माना जाता है कि आलमगीर को एतराज है कि एक महिला, शेख हसीना, भले ही वे बंगबंधु की बेटी हैं और भारत के साथ उनके बहुत करीबी रिश्ते हैं, यह चीज़ भारत-बांग्लादेश रिश्ते को बंधक नहीं बना सकती। यह भी कि 1971 की आज़ादी की लड़ाई ने न केवल दोनों देशों के नेताओं के बीच बल्कि लोगों में भी गर्भनाल जैसा रिश्ता स्थापित किया था। फिलहाल, तारिक़ का 23-25 अगस्त का प्रस्तावित दौरा टाल दिया गया है, क्योंकि दोनों पक्ष बारीकियों पर विचार करने में लगे हैं। लेकिन बीते हफ़्ते बांग्लादेश द्वारा रुख कड़ा करने व तारिक़ के भारत दौरे को हसीना के प्रत्यर्पण की शर्त से जोड़ने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी के सुलह वाले संदेश का महत्व बांग्लादेश नकार नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री के लिए यह पहल भी जरूरी थी- तारिक़ को भेजे संदेश में उन्होंने कहा : 'आप आइए, हम आपका 'सम्मानजनक स्वागत' करेंगे।' उन्हें पता है कि शेख हसीना की 5 अगस्त की प्रेस वार्ता से तारिक़ नाराज़ हैं। मोदी को जल्द ही समझ आ गया कि स्थिति को सिर्फ़वही संभाल सकते हैं। बंगबंधु की बेटी और एक अति विशिष्ट हस्ती, जिन्हें अभी भी लगता है उन्होंने कुछ गलत नहीं किया, बेशक उनके पिता ने भारत को पाकिस्तान को दोफाड़ करने में मदद की थी, पर इससे रिश्तों को बंधक बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। दुनिया बदल चुकी है। बांग्लादेश फिर अनिश्चितता के भंवर में है, जहां चीन और पाकिस्तान जैसी शार्क मंडरा रही हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर तारिक़ का पहला दौरा बीजिंग और कुआलालंपुर का रहा, न कि दिल्ली का। इतने दशक बाद भी, रावलपिंडी का सैन्य प्रतिष्ठान बांग्लादेशियों को डोरे डालने की कोशिश कर रहा है- ढाका में एक बार फिर से आईएसआई के जासूसों का जमावड़ा है।

निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री जानते हैं कि भारत के पूर्वी हिस्से को बचाकर रखना ज़रूरी है-यह न सिर्फ दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है, बल्कि भारत के आठ पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा के लिए भी अहम है; जहां भारत के पांच राज्यों की सीमाएं बांग्लादेश से लगती हैं; पिछली बार जब 2001-2006 में बीएनपी की सरकार रही थी और तारिक़ की मां खालिदा ज़िया प्रधानमंत्री थीं, तब चटगांव में हथियारों का बड़ा जखीरा ऐन वक्त पर पकड़ा गया था।

यह भी अहसास है कि भारत के पड़ोस में उथल-पुथल है। मोहन भागवत और दत्तात्रेय होसबोले जैसे वरिष्ठ आरएसएस नेताओं द्वारा रिश्ते सुधारने की अपील के बावजूद पाकिस्तान के साथ रिश्ते ठंडे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री ने आखिर भारतीय राजदूत से मुलाकात की है, लेकिन चीन से संबंधों बारे धमकी भरे अंदाज़ में बातें करते रहते हैं। भूटान, श्रीलंका व मालदीव शांत हैं, लेकिन उन पर चीन का साया मंडरा रहा। ज़ाहिर, भारत बांग्लादेश को खोना गवारा नहीं कर सकता। उसे पुराने रिश्ते फिर मज़बूत करने के तरीके खोजने होंगे। साल 1971 और 2026 में बड़ा फ़र्क़ यह कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते बेहतर हुए हैं,यानी आज भारत न सिर्फ़ बांग्लादेश में बल्कि पड़ोस के सभी हिस्सों में अमेरिकियों संग मिलकर काम कर रहा है; जबकि 1971 में अमेरिका व पाकिस्तान में पक्की यारी थी।

शायद, प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका, चीन जैसी बड़ी ताकतों से सीखना चाहिए कि वे कैसे खेल खेलती हैं-वे एक ही समय में छोटे देशों के साथ भी संबंध बनाए रखते हैं और अपनी स्थिति भी सुरक्षित रखते हैं। वहीं, भारत की अनोखी सभ्यतागत मजबूती मांग करती है कि वह अपनी आर्थिक क्षमता से कहीं बढ़कर भूमिका निभाए, खासकर अपने पड़ोस में, जहां भाषा, धर्म, संस्कृति और जातीयता जैसे मुद्दे रिश्तों पर असर डाल रहे हैं और यह भारत के हितों को निरंतरता देते हैं। इसीलिए पीएम मोदी ने समझदारी दिखाई कि शेख हसीना को लेकर तारिक रहमान के नखरे नज़रअंदाज़ किए और फिलहाल इस विवादित मसले को एक तरफकर रखा है, शायद ऐसा करने से समाधान जल्द निकल आए। संभवत: वार्ता में तय हो कि जब अपनी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार शेख हसीना दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी,तो उन्हें व उनके परिवार को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाए - और इस तरह भारत-बांग्लादेश के बीच बेहद महत्वपूर्ण रिश्ते कायम रहेंगे।

इसीलिए भारत और उसके सभी पड़ोसियों - काराकोरम से लेकर कॉक्स बाज़ार तक - के साथ रिश्ते कायम रखने की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए। हां, पड़ोसियों की ओर से 'इंडिया फर्स्ट' वाली भावना हो, तो भारत की तरफ से 'नेबरहुड फर्स्ट' की भावना होनी चाहिए, यानी खुले दिल से मदद करना। बेशक, इतने अलग-अलग किस्म का पड़ोस संभालना आसान नहीं। भरोसा बहाल करने में समय लगेगा। 'अर्थशास्त्र' के आधार पर, प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश के साथ पहला कदम उठाया है। अब उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ना होगा।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

बचपन की हॉबी कभी न छोड़ें, यह आपकी पहचान बन सकती है

एन. रघुरामन

याद कीजिए वो चीजें, जो हम बचपन में कलेक्ट करते थे? स्टाम्प, सिक्के, की-चेन, माचिस की डिब्बियां, कंचे, पोस्टकार्ड, सीपियां, टॉय कार, बोतलों के ढक्कन और फैमिली हॉलिडे के दौरान बीच पर मिले अनोखे पत्थर। 8-10 साल की उम्र में हम इन्हें गंभीरता से इकट्ठा करते थे। ऐसा करने के लिए हमें कोई कहता नहीं था। बस हमें कोई चीज दिलचस्प लगती तो हम चाहते कि ऐसी एक मेरे पास भी हो।

फिर जिंदगी आगे बढ़ी। पढ़ाई, नौकरी, शादी, बच्चे और जिम्मेदारियों ने उन छोटे शौकों को कोने में धकेल दिया। हमारे कलेक्शन सूटकेसों, मचानों और भूली-बिसरी अलमारियों में गायब हो गए। कुछ नमी से खराब हो गए, कुछ घर की सफाई में फेंक दिए गए और बहुत-से खो गए। अगर हम उन्हें नहीं छोड़ते तो क्या होता? शायद वे कोई अधिक बड़ी चीज बन सकते थे।

मैं हमेशा अपनी स्टाम्प कलेक्शन हॉबी के खो जाने का अफसोस करता हूं। उस उम्र में अकसर मुझे कई उन विदेशी रेडियो स्टेशनों से पत्र मिलते थे, जिन्हें मैं सुनता था। मैं उन्हें पत्र लिखता था और बदले में वे मुझे जवाब देते। लेकिन मैंने उन सभी को खो दिया, सिवाय पूर्व प्रधानमंत्री आईके गुजराल के कुछ पत्रों के। तब वे अविभाजित यूएसएसआर में विदेशी दूतावास में कार्यरत थे।

पुणे में पिंपरी-चिंचवड़ के 40 वर्षीय महेश लोणकर को लीजिए। टॉर्चलाइट के प्रति बचपन में शुरू हुआ उनका आकर्षण आज 1200 से ज्यादा फ्लैशलाइट के असाधारण कलेक्शन में बदल चुका है। इनमें कुछ तो एक सदी पुरानी हैं। लोणकर ने अपनी पहली टॉर्च महज 10 साल की उम्र में खरीदी थी।

दशकों बाद आज उनके पास ऐतिहासिक और मिलिट्री फ्लैशलाइट्स हैं। इनमें से कुछ तो प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौर की हैं। उनके कलेक्शन में बंदूकनुमा फ्लैशलाइट, बोतल के आकार के मॉडल, इमरजेंसी रेडियो फ्लैशलाइट, हाथ से चलने वाली फ्लैशलाइट, मिनिएचर टॉर्च और गोल्ड-प्लेटेड चीजें भी हैं।

उनके कलेक्शन में सबसे कीमती 1905 में बनी एक एवर-रेडी फ्लैशलाइट है, जो उन्होंने नीलामी में 65 हजार रुपए में खरीदी थी। इसमें एक दुर्लभ 'ग्लव कैच स्विच' है- एक शुरुआती मैकेनिज्म, जिससे बैटरी से चलने वाली लाइट को चालू रखा जा सकता था। दिलचस्प यह है कि लोणकर ने इन्हें महज कलेक्ट ही नहीं किया।

उन्होंने इन्हें रिपेयर और साफ करना भी सीखा, क्योंकि कई पुरानी चीजें उनके पास टूटी-फूटी हालत में पहुंची थीं। उनकी हॉबी कलेक्शन से परे जाकर नॉलेज में बदल गई। जब बचपन के किसी आकर्षण को प्रोत्साहन दिया जाए तो ऐसा ही होता है।भारत में ऐसे कई उदाहरण हैं। मसलन, अहमदाबाद के वेचार म्यूजियम में 4 हजार से ज्यादा पारंपरिक बर्तन हैं।

इनमें कुछ तो सदियों पुराने हैं। रेस्टोरेंटर सुरेंद्र पटेल ने जब देखा कि पुराने बर्तनों को भट्टियों में पिघलाने के लिए भेजा जा रहा है तो उन्होंने 1978 में इन्हें खरीदकर संरक्षित करना शुरू किया। आखिरकार यह कलेक्शन 1981 में एक म्यूजियम बन गया। इसी तरह, पुणे के राजा दिनकर केलकर म्यूजियम में भी पारंपरिक रसोई बर्तनों की एक अद्भुत रेंज संरक्षित है।

दुनिया में सिक्कों, स्टाम्प्स, घड़ियों, रेडियो, कैमरों, माचिस की डिब्बियों, पोस्टकार्डों, खिलौनों, फाउंटेन पेन और पारंपरिक हांडियों तक के कलेक्टर्स भी हैं। शुरुआत में किसी साधारण-सी चीज के प्रति जुनून लगने वाला शौक आगे जाकर इतिहास, कारीगरी और संस्कृति का रिकॉर्ड बन सकता है। इसीलिए पैरेंट्स को बच्चों की किसी हॉबी को समय की बर्बादी मानकर खारिज करते हुए शायद सावधान रहना चाहिए।

जरूरी नहीं कि हर हॉबी पेशा बने, लेकिन यह ऐसी चीज सिखाती है, जो अकसर किताबें नहीं सिखा पातीं- ऑब्जर्वेशन, धैर्य, जिज्ञासा, रिसर्च और वर्षों तक किसी चीज के प्रति आकर्षण बनाए रखने की क्षमता।

पैसा अगर जल्दी निवेश किया जाए तो कंपाउंडिंग के जरिए बढ़ता है। जिज्ञासा भी उसी तरह बढ़ती है। कोई बच्चा 10 साल की उम्र में किसी चीज का कलेक्शन शुरू करता है और 20 वर्षों तक जारी रखता है तो वह सिर्फ चीजें जमा नहीं करता। वह नॉलेज, कहानियां, संपर्क, विशेषज्ञता और आखिरकार एक रेपुटेशन भी जमा करता है।

अगली बार कोई बच्चा अजीब सिक्का, पुरानी चम्मच, टूटी घड़ी या बोतल का अनोखा ढक्कन लेकर घर आए तो तत्काल यह मत पूछना कि 'तुम इन सबका क्या करोगे?' इसके बजाय पूछना कि 'तुम्हें इसमें इतना दिलचस्प क्या लगा?' क्योंकि आज का छोटा-सा कलेक्शन कल का म्यूजियम बन सकता है।

फंडा यह है कि कभी-कभी जिस हॉबी को हम 12 साल की उम्र में छोड़ चुके होते हैं, वही 40 की उम्र में वो पहचान बन सकती है, जिसे हम तलाश रहे थे।

मानवीय मूल्यों को जीवंत करता 'टाइम बैंक'

डॉ. रेनु सैनी

संयुक्त राष्ट्र संघ का मानना है कि, 'जब समाज पैसों के बजाय आपसी सहयोग और समय के लेन-देन पर भरोसा करने लगता है, तो वहां अकेलेपन और असमानता की दीवारें अपने आप ढहने लगती हैं।'

आपने अनेक बैंकों के नाम सुने होंगे। क्या आपने 'टाइम बैंक' का नाम सुना है? वर्तमान समय में इसका महत्व बढ़ गया है। यह साधारण बैंकों से बिल्कुल अलग है। साधारण बैंकों में जहां रुपये से लेन-देन किया जाता है, वहीं 'टाइम बैंक' का लेन-देन 'समय' के अनुरूप होता है। इसमें समय का हिसाब-किताब किया जाता है। समय 'डेबिट और क्रेडिट' होता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें रुपयों का विनिमय बिल्कुल नहीं होता। यहां सब बराबर हैं। यहां पर लोगों के अमीर और गरीब की पहचान उनके समय के क्रेडिट के अनुसार जांची जाती है।

इस बैंक की स्थापना डॉ. एडगर कान द्वारा की गई थी। वर्ष 1980 में उन्हें गंभीर हार्ट अटैक आया। इस दौरान वे अस्पताल के बिस्तर पर लाचारावस्था में पड़े हुए थे। तब उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि यदि कोई व्यक्ति बीमार, बुजुर्ग या अक्षम हो जाता है, तो उसे बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अर्थव्यवस्था और समाज ऐसे व्यक्तियों को 'व्यर्थ' मान लेता है। इसलिए उन पर ध्यान नहीं दिया जाता, फलस्वरूप समाज में वृद्ध व बीमार लोगों की देखभाल पर लोग समय नहीं खर्च करते। इस सोच ने उन्हें झकझोर दिया। वे स्वयं से बोले, 'भले ही बुजुर्ग, अशक्त या बीमार व्यक्ति आर्थिक रूप से काम न कर रहा हो, लेकिन उसके पास दूसरों को देने के लिए अपना कीमती अनुभव, समय और आत्मीयता तो उपलब्ध है।' एक मानवाधिकार वकील होने के कारण उन्होंने इस बात को भी महसूस किया कि सरकारी योजनाएं निर्धन और बुजुर्गों को केवल लाभार्थी मानकर दान देती हैं। इससे उनका आत्मसम्मान खत्म हो जाता है। इसलिए उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करने का निर्णय लिया जहां पर सब बराबर हों।

काफी विचार-विमर्श कर उन्होंने 1980 के दशक में 'टाइम बैंकिंग' नामक संस्था की नींव रखी। डॉ. एडगर कान का कहना था कि, 'पैसा कभी भी इंसान के असली मूल्य को नहीं माप सकता। टाइम बैंक का सिद्धांत यही है कि हर इंसान का एक घंटा बराबर है—यह समाज में हर व्यक्ति को यह अहसास कराता है कि उसकी और उसके समय की कीमत है।'

आज के व्यस्त समय में तो 'टाइम बैंक' की महत्ता बहुत बढ़ गई है। आज लोगों को सुनने वालों की ही तलाश है। कोई किसी को सुनना नहीं चाहता, बस सब बोलना ही चाहते हैं। सब अपनी परेशानियां और बातें बताने को आतुर हैं। कई देशों ने भी 'टाइम बैंक' के महत्व को समझा और इसे स्थापित किया।

'स्विट्ज़रलैंड' का 'ओल्ड एज टाइम बैंक' मॉडल टाइम बैंक की एक व्यावहारिक व्यवस्था को बताता है। यहां पर युवा अपने खाली समय में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की देखभाल करते हैं। वे उनके लिए खरीदारी करते हैं, उन्हें टहलाने ले जाते हैं और उनसे घंटों गपशप करते हैं। जितने घंटे की वे सेवा देते हैं, उतने ही घंटे व टाइम उनके 'सोशल टाइम बैंक खाते' में जमा हो जाता है। जब वे खुद वृद्ध होते हैं तो वे उसी जमा समय का उपयोग अपनी देखभाल के लिए कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें कुछ नहीं खर्च करना पड़ेगा।

जापान में भी 1990 के दशक में इस टाइम बैंक की शुरुआत हुई थी। वहां पर इस तरह की व्यवस्था को 'फुरुआई किप्पु' नाम से जाना जाता है। यहां अगर कोई व्यक्ति किसी बुजुर्ग या बीमार व्यक्ति की देखभाल में 1 घंटा बिताता है, तो उसे 1 'फुरुआई किप्पु' यानी कि 'टाइम क्रेडिट' मिलता है। लोग इन क्रेडिट्स को जमा करते हैं और भविष्य में जब उनके माता-पिता अथवा वे वृद्ध हो जाते हैं, तो वे इन क्रेडिट्स के बदले नि:शुल्क सेवाएं प्राप्त करते हैं।

ब्रटेन का 'फेयर शेयर टाइम बैंक' मानसिक रूप से तनावग्रस्त, अकेले अथवा बुजुर्ग व्यक्तियों को समाज से जोड़ता है। यहां लोग अपने खाली समय में दूसरों की मदद करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी जरूरतों के लिए दूसरों का समय लेते हैं।

मध्य प्रदेश सरकार के 'आनंद विभाग' ने अगस्त, 2019 में देश के पहले आधिकारिक 'टाइम बैंक' की स्थापना करने का निर्णय लिया और इसे लागू करने की प्रक्रिया आरंभ की। आज तो अनेक गैर-सरकारी संस्थाएं भी इस दिशा में ठोस कदम उठा रही हैं।

'टाइम बैंक' की अवधारणा लोगों के अंदर प्रेम, करुणा, सहयोग की भावनाओं को विकसित करती है। इसके माध्यम से लोगों के अंदर मानवीयता एवं भाईचारे की भावना भी बलवती हो रही है। 'टाइम बैंक' लोगों के अंदर से डिप्रेशन एवं समस्याओं को दूर करने में भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ का मानना है कि, 'जब समाज पैसों के बजाय आपसी सहयोग और समय के लेन-देन पर भरोसा करने लगता है, तो वहां अकेलेपन और असमानता की दीवारें अपने आप ढहने लगती हैं।'

नहीं भूलतीं सुमन कल्याणपुर

सुमन कल्याणपुर का 31 मई, 2026 को मुम्बई में देहान्त हो गया। वर्ष 1954 में सर्वप्रथम उन्होंने हिन्दी सिनेमा के लिए गाने गाए। उन्होंने 857 हिन्दी गाने गाये हैं। समकालीन सभी गायकों के साथ उन्होंने युगल गीत गाए हैं। मोहम्मद रफी के साथ लगभग 140 युगल गीत गाए हैं। इनकी आवाज़ लता मंगेशकर से काफी मिलती है, जिससे कई गानों में लोगों को भ्रम होता है कि लता ने गाया या सुमन ने।

इन्होंने हिन्दी के अलावा मराठी, भोजपुरी, मैथिली, बंगाली, पंजाबी, राजस्थानी, ओड़िया, गुजराती, असमिया, कन्नड़ इत्यादि कई भाषाओं में गाने गाए हैं। 'शराबी-शराबी ये सावन का मौसम, खुदा की कसम खूबसूरत ना होता, अगर इसमें रंग-ए-मुहब्बत न होता', 'न तुम हमें जानो न हम तुम्हें जानें, मगर लगता है कुछ ऐसा मेरा हमदम मिल गया', 'बुझा दिए हैं खुद अपने हाथों मोहब्बतों के दीये जलाके', 'यूं ही दिल ने चाहा था रोना रुलाना, तेरी याद तो बन गई एक बहाना', 'दिल ग़म से जल रहा है जले, पर धुआं न हो, मुमकिन है इसके बाद कोई इम्तेहां न हो', 'मेरे महबूब न जा, आज की रात न जा', 'जो हम पे गुज़रती है, तनहा किसे समझाएं'' इत्यादि गाना उस ज़माने से मुझे पसन्द है जब न गीत के बोल जानती-समझती थी न उसके माने न मायने। जब तक मेरे पापा जीवित रहे तब तक हर दिन रेकॉर्ड प्लेयर पर सभी गायकों के गाने बजते रहते थे।

मुझे सबसे ज्यादा मोहम्मद रफी और सुमन कल्याणपुर को सुनना अच्छा लगता था। मैं 12 वर्ष की थी जब पापा का देहान्त हो गया। घर में चुप्पी छा गई। भाई जब गांव से आता तब घर गुलज़ार होता और रेडियो या रिकॉर्ड प्लेयर बजता था।

एक साल बाद जब मैं थोड़ा सामान्य हुई तब मैं फिर से गाना सुनने लगी। गाना सुनना मेरे परिवार के जींस में है शायद। वैसे तो सभी रेकॉर्ड मैं बजाती थी; लेकिन सुमन कल्याणपुर और मोहम्मद रफ़ी के गाने रिपीट कर-करके सुनती थी।

गाना सुनना मेरा बचपन से शौक़ है। जैसे-जैसे बड़ी होती गई, सभी गायक-गायिकाओं को सुनने लगी। लेकिन सुमन कल्याणपुर के गाए कुछ गाने मुझमें इस तरह समाहित हैं, जिसे अपने मन की किसी भी अवस्था में सुनकर सुखद महसूस करती हूं।

सुमन कल्याणपुर का जाना संगीत जगत की ही नहीं; बल्कि श्रोताओं की भी क्षति है। फिल्म 'नसीब' (1981) का गाना 'ज़िन्दगी इम्तिहान लेती है, लोगों की जान लेती है' उनका अन्तिम हिन्दी गाना है। फिर भी उनके गाए सभी गीत उनके चाहने वालों के दिलों में सदा के लिए जीवित रहेंगे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

जिले में अब तक 617.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 23 अगस्त 2026 तक 617.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 768.3 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 445.8 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 719.3 मिमी, तहसील बोरी में 599.6 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 672.5 मिमी और तहसील अहिवारा में 497.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 23 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 15.7 मिमी, तहसील धमधा में 4.3 मिमी, तहसील पाटन में 13.5 मिमी, तहसील बोरी में 6.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 13.9 मिमी और तहसील अहिवारा में 13.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

शांतिनगर आश्रम में 26 को मनेगी मदर टेरेसा जयंती

भिलाई। समभाव सामाजिक सेवा समिति की ओर से संत मदर टेरेसा जयंती समारोह का आयोजन 26 अगस्त को किया जाएगा। बीते 25 वर्षों की तरह इस बार भी सेवा, समर्पण, ममता और कल्याण की भावना के साथ मदर टेरेसा आश्रम (चैरिटी ऑफ मिशनरीज), शांति नगर में कार्यक्रम शाम 5.30 बजे से शुरू होगा। मुख्य अतिथि बीएसपी के सीजीएम प्रोजेक्ट संजीव वर्गीस और सभा अध्यक्ष स्पर्श हॉ?स्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अरविंद सावंत होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आश्रम की प्रभारी सिस्टर जैसन, बोरसी दुर्ग के पार्षद जेम्स साजन, समाजसेवी जेम्स जोनाथन, संगीतज्ञ जॉयजान, रूकमणी साहू, रबीमा बाई, पार्थोपाल, रूतेन्द्र पाण्डे उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर प्रख्यात गायक के.एफ एन्थोनी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

अधिवक्ता संघ ने किया हाईकोर्ट के जज का स्वागत

दुर्ग। दुर्ग में नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन, दुर्ग के निर्माण के लिए भूमिपूजन और फाउंडेशन स्टोन लेइंग सेरेमनी में शामिल हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा, न्यायाधिपति पीपी साहू, नरेश कुमार चंद्रवंशी, रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, विभु दत्त गुरु और अमितेंद्र किशोर प्रसाद का अधिवक्ता संघ दुर्ग के पदाधिकारियों ने स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष रमेश शर्मा, सचिव रविशंकर सिंह सहित सभी पदाधिकारी व अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सरयूपारीण महिला ब्राह्मण समाज की टीम गठित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण महिला ब्राह्मण समाज दुर्ग की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। अर्पणा तिवारी को अध्यक्ष, तनु मिश्रा को सचिव और रानी उपाध्याय को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं भारती दुबे, अनिता पांडेय और संगीता शर्मा को संरक्षक बनाया गया है, वहीं सरिता मिश्रा, किरण मिश्रा उपाध्यक्ष, ममता तिवारी सह सचिव, सुषमा तिवारी सहकोषाध्यक्ष, शकुंतला चौबे, शीला चौबे विशेष सलाहकार बनाया गया।

कांवड़ यात्रा में गूंजा हर-हर महादेव, हजारों शिवभक्तों ने की 33 किमी की यात्रा

शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के नेतृत्व में आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सावन के पवित्र माह में रविवार को दुर्ग की धरती हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से शिवमय हो गई। शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के नेतृत्व में आयोजित 33 किलोमीटर लंबी भव्य शिवनाथ कांवड़ यात्रा में जिले सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में शिवभक्त समिति के संरक्षक उपकार चंद्राकर के नेतृत्व में शामिल हुए। भगवा ध्वज और कांवड़ लेकर निकले श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल बना दिया।

धर्मगुरुओं द्वारा भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया गया।

इसके बाद कांवड़ियों का कारवां शिवभक्ति के जयघोष के साथ अपने गंतव्य की ओर बढ़ा। यात्रा में युवा, महिलाएं, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के श्रद्धालु सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शिवनाथ कांवड़ यात्रा में हर वर्ष यात्रा के प्रति लोगों का उत्साह और जनसहभागिता बढ़ रही है। यात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सनातन एकता, संस्कृति जागरण और नशामुक्त समाज का संदेश जन-जन तक पहुंचाना भी है।

यात्रा के दौरान विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा , सांसद विजय बघेल, बिसराराम यादव, शिरीष अग्रवाल, दिव्या भसीन,महेश वर्मा,संतोष मौर्य, सूरज साहू,लोकेश पांडे,कवरपाल सिंह समीर अग्रवाल, गोपाल राव,वेद प्रकाश पांडे, रोहित चौधरी,आशीष बोरकर, भिलाई चरोदा के पार्षदों ने भी यात्रा का विशेष रूप से स्वागत किया हुआ व जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। मार्ग में भक्ति गीतों, जयघोष और भगवा ध्वजों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बारिश और मौसम की चुनौतियों के बावजूद शिवभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ।

शिवनाथ तट पर हुआ रुद्राभिषेक और भव्य आरती

33 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर कांवड़िए शिवनाथ नदी के तट पर पहुंचे। यहां भगवान भोलेनाथ का विधिवत रुद्राभिषेक किया गया। इसके पश्चात आयोजित भव्य शिवनाथ आरती में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू, महामंत्री अशोक सिन्हा, भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, तुलसी, विजय जायसवाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा दुर्ग जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा, कन्हैया सोनी, व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आरती के दौरान हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से शिवनाथ तट गूंज उठा।

भगवा झंडा दिखाकर यात्रा को किया रवाना

शिवनाथ कांवड़ यात्रा को सुबह 7:00 बजे शिवनाथ नदी से भैरवी धाम की पीठाधीश्वर सुमरन माई, अजय शुक्ला उपाध्यक्ष आयोग, प्रकाश बजाज भाजपा प्रदेश कार्य समिति, मीना वर्मा पालिका अध्यक्ष, सुनील पटेल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, ने भगवाध्वज दिखाकर रवाना किया।

बदल रहा यात्रा का स्वरूप और कांवड़ियों की संख्या

इस यात्रा के संयोजक विपिन चंद्राकर ने कहा कि शिवनाथ कांवड़ यात्रा अब क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बनती जा रही है। पिछले वर्षों की तुलना में इस बार भी श्रद्धालुओं की संख्या और उत्साह में वृद्धि देखने को मिली। यात्रा ने श्रद्धालुओं को भगवान शिव की भक्ति के साथ अपनी संस्कृति, परंपरा और सनातन मूल्यों से जुड़ने का अवसर दिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से वरुण यादव, कुलदीप शर्मा, विकास अग्रवाल, राहुल भोसले, तुलसी ध्रुव, हर्षित साहू, सुदर्शन, अनिल, महेश, अभिषेक,महेंद्र, सम्यक गगन, नितेश, शिवा, दीपराज अजय साहू, आशीष, रोशन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

शिव महापुराण कथा में सपत्निक शमिल हुए सीएम साय, बोले महादेव की कृपा से छत्तीसगढ़ में है खुशहाली और समृद्धि

व्यास पीठ की पूजा अर्चना कर प्रदेश के जनता की खुशहाली की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिले के भिलाई नगर स्थित जयंती स्टेडियम के समीप आयोजित शिव महापुराण कथा के रविवार को अंतिम दिवस मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशिल्या देवी साय के साथ कथा श्रवण करने पहुंचे। उन्होंने व्यास पीठ का पूजा अर्चना कर प्रदेश के जनता की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विशाल शिवभक्तों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि माता कौशिल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्री राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ प्रदेश के इस्पात नगरी भिलाई की पावन भूमि में बीते सात दिनों से शिव भक्ति की अविरल धारा बह रही है। यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को अध्यात्म से सीधे जुड़ने का अवसर मिला है। आज मैं भी सपत्नीक कथा श्रवण करने पहुंचा हूं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान भोलेनाथ हमारे प्रदेश के चारों दिशाओं में विराजमान है। रायपुर में हटकेश्वर महादेव और कवर्धा में वे भोरमदेव कहे जाते हैं। राजीम में कुलेश्वर महादेव, चम्पारण में चम्पेश्वर महोदव, गरियाबंद में भुतेश्वर महोदव, सिरपुर में गंधेश्वर महोदव, जशपुर में मधेश्वर महोदव के रूप में पूजे जाते हैं। इस तरह छत्तीसगढ़ के चप्पे-चप्पे पर देवाधिदेव भगवान महोदव की कृपा है। उनके आशीर्वाद से सभी ओर खुशहाली और समृद्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा परम सौभाग्य है कि भगवान शिव के साथ-साथ माँ शक्ति भी छत्तीसगढ़ में जगह-जगह विराजमान है।

सरकार ने बनाई शक्तिपीठों के विकास की योजना

प्रदेश सरकार ने पांच शक्तिपीठों सुरजपुर की कुदरगढ़ी माता, चन्द्रपुर की माँ चन्द्रहासिनी, रतनपुर की माँ महामाया, डोंगरगढ़ की माँ बम्लेश्वरी और दन्तेवाड़ा की माँ दन्तेश्वरी शक्तिपीठों के लिए विकास की योजना बनायी है। इन्हें चारधाम तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। यहां के धार्मिक तीर्थों के विकास के साथ प्रदेश सरकार श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित कर रही है। इस योजना से अब तक 50 हजार से अधिक लोग अयोध्या जाकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन कर चुके हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को एक बार फिर से शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को देश के विभिन्न 19 तीर्थों का दर्शन लाभ कराया जा रहा है।

शिव महापुराण कथा से मिल रही सनातन धर्म को मजबूती

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी देश-दुनिया में शिव महापुराण कथा सुनाकर सनातन धर्म को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। इस्पात नगरी भिलाई में शिव महापुराण कथा का लगातार तीसरी बार आयोजन है। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश वासियों की तरफसे कथा वाचक पंडित मिश्रा जी का स्वागत किया तथा शिव महापुराण कथा आयोजन समिति को उनके सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक रिकेश सेन, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल व आयोजन समिति के दया सिंह सहित बड़ी संख्या में शिव भक्त उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज़ के शिविर में 192 यूनिट रक्तदान

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के समाज सेवा प्रभाग द्वारा संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 19वें पुण्य स्मृति दिवस एवं विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित पांच दिवसीय विशाल रक्तदान महाअभियान के अंतर्गत आज सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम एवं राजयोग भवन में उत्साहपूर्वक रक्तदान किया गया। अभियान का संदेश मानवता का करें कल्याण, आओ मिलकर करें रक्तदान रहा। इस अवसर पर कुल 192 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदाताओं के लिए सेल्फी जोन की भी व्यवस्था की गई, जहां उन्होंने अपनी तस्वीरें खिंचवाईं। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने इस सेवा कार्य में सहभागी सभी अतिथियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगियों का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने किया।

स्कूल से कॉलेज तक के स्टूडेंट को मिली 15 लाख की स्कॉलरशिप, प्रतिभावान बच्चे सम्मानित

■ जकात फाउंडेशन का 12वां सालाना स्कॉलरशिप कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ जकात फाउंडेशन की ओर से जामा मस्जिद सेक्टर-6 के कम्युनिटी हॉल में 12वां सालाना स्कॉलरशिप कार्यक्रम शनिवार 22 अगस्त को आयोजित किया गया। इस दौरान दुर्ग-भिलाई क्षेत्र के कक्षा छठवीं से लेकर कॉलेज स्तर तक के स्टूडेंट को कुल 15 लाख रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। आयोजन में डॉ. इरफान उर रहीम कैंप कमांडेंट बालोद, असद खान, एडिशनल एसपी, डॉ. मोहम्मद अनवर अंसारी असिस्टेंट सीएमओ सेक्टर-9, समाजसेवी फजल फारूकी, भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग, अकील सैयद, रियाज और जावेद मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. इरफान उर रहीम ने स्टूडेंट को प्रशासनिक सेवा परीक्षाओं की तैयारी पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इसके पहले सभी मेहमानों का इस्तकबाल करते हुए मोहम्मद इमरान खान ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में जकात फाउंडेशन ने पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 8,000 स्टूडेंट को आर्थिक सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन भविष्य में भी जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में इसी तरह सहयोग करता रहेगा।

डाइट करा रहा शैक्षिक गतिविधि आधारित प्रतियोगिताएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में शैक्षिक गुणवत्ता को लेकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) प्राचार्य पी सी मरकले के मार्गदर्शन में स्कूल, संकुल, जोन, ब्लॉक और जिला स्तर पर शैक्षिक गतिविधि प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। जिसमें सभी शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने स्कूल स्तर पर सभी शिक्षक निर्धारित विषयों को लेकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जिसमें सभी बच्चों को हिंदी- अंग्रेजी भाषा धारा प्रवाह लिखना-पढ़ना भी सिखा रहे हैं। नई नई तकनीकों और विधियों अभ्यास कराए जा रहे हैं।

इन सभी गतिविधियों को मूर्त रूप देने के लिए संकुल स्तर पर शैक्षिक समन्वयक, विकासखंड स्तर पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक , विकासखंड शिक्षा अधिकारी और जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सहायक संचालक , जिला मिशन समन्वयक कार्यालय से सहायक परियोजना समन्वयक , सहायक परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा दुर्ग एवं डाइट के समस्त संकाय सदस्य नियमित रूप से अवलोकन कर रहे है।

नोडल प्रतिनिधि सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने एवं परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए प्राचार्य के मार्गदर्शन में समस्त डाइट के अकादमिक सदस्यों द्वारा जिले में संचालित अटल टिंकरिंग लैब , व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित विद्यालयों एवं विषय वार अध्ययन अध्यापन को लेकर जुलाई से अगस्त माह के बीच में टीम बनाकर शैक्षिक अवलोकन किया गया। इसके बाद प्राचार्यों , अटल टिंकरिंग लैब प्रभारी व्याख्याताओं, विकास खंड शिक्षा अधिकारी , सहायक संचालक और डी एम सी के साथ बैठकें लेकर प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए रणनीति तैयार की गई है।

इसी के अंतर्गत सितंबर और अक्टूबर माह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता डाइट अछोटी दुर्ग में आयोजित की जाएगी।

प्रो. प्रभात ने विद्यार्थियों को दिया Entrepreneurship व Innovation पर व्याख्यान

■ कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज में इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान व्याख्यान का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, खमरिया, भिलाई में इंडक्शन प्रोग्राम 2026-27 के अंतर्गत विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर बीटेक विद्यार्थियों के लिए Entrepreneurship and Innovation विषय पर विशेष विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभात कुमार प्रसाद ने विद्यार्थियों को उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया।

अपने विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. प्रभात कुमार प्रसाद ने कहा कि आज के समय में इंजीनियरिंग शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करना और रोजगार के अवसर पैदा करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को अवसर के रूप में देखने तथा नए विचारों को नवाचार के माध्यम से उपयोगी उत्पाद एवं सेवाओं में बदलने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने Entrepreneurial Mindset, Creativity, Innovation, Problem Solving, Risk Taking और Leadership जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। विद्यार्थियों को बताया गया कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए केवल पूंजी ही नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, आत्मविश्वास, निरंतर सीखने की क्षमता, टीमवर्क और असफलताओं से सीखने का साहस भी आवश्यक है।

प्रो. प्रसाद ने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि इंजीनियरिंग के विद्यार्थी अपनी तकनीकी दक्षता को व्यवसायिक सोच के साथ जोड़कर स्टार्टअप एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने नवाचार के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान विकसित करने तथा अपने विचारों को छोटे स्तर से शुरू कर धीरे-धीरे बड़े उद्यम में परिवर्तित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उद्यमिता एवं नवाचार से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं साझा कीं और विशेषज्ञ से प्रश्न पूछकर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

उल्लेखनीय है कि प्रो. प्रभात कुमार प्रसाद INAE-Infosys CEEE Programme 2026 के अंतर्गत द्धद्धज्ञ छद्दद्यद्धद्ब से जुड़े हैं, जिससे उनके शैक्षणिक एवं तकनीकी अनुभव का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि एक अच्छा आइडिया तभी सफल होता है जब उसे कार्यरूप में बदलने का साहस और निरंतर प्रयास किया जाए। कॉलेज प्रबंधन ने इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यानों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञान तथा रोजगार एवं उद्यमिता की संभावनाओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम ने नवप्रवेशित बी.टेक. विद्यार्थियों में नई सोच, नवाचार और उद्यमिता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सोनम साहू को मिला सावन क्वीन का खिताब

सूरजपुर। होटल अन्नपूर्णा में 'सावन श्रृंगार मेले' का भव्य आयोजन पहली बार संपन्न हुआ। श्रीमती नूतन सिंह तथा श्रीमती प्रतिमा द्विवेदी द्वारा आयोजित इस मेले में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया और पारंपरिक वेशभूषा एवं साज-श्रृंगार के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। ग्राम पंचायत नारायणपुर श्रीमती सोनम साहू को सावन क्वीन के खिताब से नवाजा गया, जबकि रामानुजनगर की श्रीमती आरती साहू फर्स्ट रनर अप तथा सूरजपुर की श्रीमती चांदनी सेकंड रनर अप रहीं। मेले के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक सावन गीतों, नृत्य, मेहंदी और रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, जिससे पूरे परिसर में दिनभर उल्लास और उत्सव का वातावरण बना रहा।

दृष्टिबाधित बच्चों ने सीखा बिना देखे स्मार्टफोन चलाना

रायगढ़। दृष्टिबाधित बच्चों को तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें शिक्षा, संवाद तथा दैनिक जीवन में डिजिटल संसाधनों का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा एवं एक कदम और फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 20 से 22 अगस्त तक तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के 39 चिन्हांकित दृष्टिबाधित बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान एक कदम और फाउंडेशन के मास्टर ट्रेनर्स एवं समग्र शिक्षा के बीआरपी स्पेशल एजुकेटर्स ने बच्चों को स्मार्टफोन के स्वतंत्र संचालन की व्यावहारिक जानकारी दी। बच्चों को बिना देखे मोबाइल संचालित करने, विभिन्न उपयोगी सुविधाओं और सहायक तकनीकों का इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण दिया गया। तीन दिनों तक बच्चों ने स्वयं स्मार्टफोन चलाकर विभिन्न गतिविधियों का अभ्यास किया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े से सावधान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और पर्यटन सुविधाओं की बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े की शिकायतों को देखते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। बोर्ड को ऐसी अनधिकृत वेबसाइटों और माध्यमों की जानकारी मिली है, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम पर फर्जी बुकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रहे हैं। ऐसे माध्यमों के जरिए पर्यटकों से ऑनलाइन भुगतान कराकर ठगी किए जाने की आशंका है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पर्यटक पर्यटन स्थलों, आवासीय सुविधाओं तथा अन्य पर्यटन सेवाओं की बुकिंग के लिए केवल छत्तीसगढ़ पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट tourism.cgstate.gov.in का ही उपयोग करें। किसी अन्य वेबसाइट, अनधिकृत बुकिंग लिंक, संदिग्ध मोबाइल नंबर, विज्ञापन अथवा सोशल मीडिया के ऐसे पेज पर भरोसा नहीं करें, और न ही वहां से बुकिंग करवाएं जो छत्तीसगढ़ पर्यटन की बुकिंग उपलब्ध कराने का दावा करते हों।

सुकमा के बीहड़ों में पहली बार बजी मोबाइल की घंटी, गोंडिगुड़ा में लगा नया मोबाइल टॉवर

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। दशकों तक भौगोलिक दुर्गमता और संचार सुविधाओं के अभाव से जूझते सुकमा के सुदूर वनांचलों में अब विकास की नई तस्वीर उभर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन और संवेदनशील नेतृत्व में बस्तर के अंतिम छोर तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सीधा लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है।

जिला प्रशासन की निरंतर निगरानी और तत्परता से गोंडिगुड़ा सहित सुन्नापेंटा, दूंगाबाबू और टेटरई जैसे अंदरूनी गांवों में मोबाइल नेटवर्क बहाल हुआ है। वर्षों से फोन कॉल करने या अपनों की कुशलक्षेम जानने के लिए मीलों पैदल चलने वाले ग्रामीण अब गांव में ही मोबाइल से संपर्क कर पा रहे हैं।

डिजिटल कनेक्टिविटी ने ग्रामीण युवाओं के सपनों को भी नई उड़ान दी है। अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी गांव में रहकर ऑनलाइन कक्षाओं, डिजिटल अध्ययन सामग्री और इंटरनेट आधारित शिक्षा का लाभ उठा रहे हैं। वहीं स्थानीय लोककला, वनोपज और हस्तशिल्प से जुड़े ग्रामीणों के लिए डिजिटल माध्यमों से बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने और रोजगार के नए अवसर तलाशने की राह भी आसान हुई है।

नेटवर्क की सुविधा से सरकारी योजनाओं की जानकारी और जनकल्याणकारी सेवाओं की पहुंच भी तेज हुई है। डिजिटल बैंकिंग, डीबीटी के माध्यम से मिलने वाली सहायता राशि तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी अब ग्रामीणों तक आसानी से पहुंच रही है। आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं, एंबुलेंस और प्रशासन से तत्काल संपर्क की सुविधा ने दूरस्थ परिवारों के लिए सुरक्षा का मजबूत सहारा प्रदान किया है।

ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मो. शाहिद ने बताया कि बीएसएनएल की '4जी सैचुरेशन परियोजना' के तहत बस्तर संभाग के 195 दुर्गम स्थानों पर नए मोबाइल टॉवर सक्रिय किए गए हैं। तेज इंटरनेट और निर्बाध कॉलिंग की सुविधा से वनांचल के ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि मजबूत इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सक्रियता और जनहित के संकल्प के साथ घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच भी विकास की रोशनी पहुंचाई जा सकती है।

राखी पर जुनवानी की बिहान दीदियों ने बीज राखियों से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

छह स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने अब तक की डेढ़ लाख रुपए की बिक्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रक्षाबंधन के अवसर पर ग्राम जुनवानी की बिहान दीदियों ने भाई-बहन के रिश्ते को आजीविका से जोड़ते हुए नई पहल की है। गांव के 6 स्व-सहायता समूहों की महिलाएं बीज और फैंसी राखियां तैयार कर रही हैं। अब तक करीब डेढ़ लाख रुपये की राखियों की बिक्री हो चुकी है। बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग महिलाएं आगे राखी निर्माण और अन्य आजीविका गतिविधियों के विस्तार में कर रही हैं।

समूह की महिलाओं ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत उन्हें आजीविका गतिविधियों के लिए आरएफसे 15 हजार रुपये की सहायता मिली। इसके साथ सीआईएफ से 60 हजार रुपये की राशि का उपयोग आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के लिए किया गया। समूह की महिलाओं ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को भी इस गतिविधि में लगाया और राखी निर्माण के लिए कच्चा माल खरीदा। इसके बाद महिलाओं ने मिलकर अलग-अलग डिजाइन की बीज और फैंसी राखियां तैयार कीं। बाजार में मांग के कारण इनकी बिक्री लगातार हो रही है।

जुनवानी की बीज राखियां इस पहल की खास पहचान बनी हैं। राखी में मौजूद बीज को रक्षाबंधन के बाद मिट्टी में रोपकर पौधा तैयार किया जा सकता है। इस तरह महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद त्योहार के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं।

महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि दी जा रही है। अब तक योजना की 30 किस्तें जारी हो चुकी हैं। जुनवानी की महिलाओं ने योजना से मिली राशि का उपयोग आजीविका गतिविधि में कर राखी निर्माण शुरू किया है। इससे उन्हें अपनी मेहनत और हुनर के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बढ़े आजीविका के अवसर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बिहान की दीदियों को स्व-सहायता समूहों में संगठित कर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पीआरपी श्रीमती ऋतु बंजारे ने कहा कि जुनवानी की महिलाओं ने उपलब्ध संसाधनों और अपने हुनर का बेहतर उपयोग करते हुए राखी निर्माण को आय का माध्यम बनाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, बहनों का मान और विष्णु भैया का सम्मान, महिलाओं के सशक्तिकरण से समृद्ध छत्तीसगढ़ महान।

जिला प्रशासन कोरिया की अभिनव पहल : 'विजनरी-15' से विद्यार्थियों को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। जिले के आकांक्षी विकासखण्ड बैकुंठपुर के स्वामी आत्मानंद विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए रविवार का दिन यादगार बन गया। जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'विजनरी-15 : जहां सपने मिलते हैं नेतृत्व से' के दूसरे सत्र में विद्यार्थियों को प्रशासन के साथ सीधे संवाद, अपने सपनों को साझा करने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।

'विजनरी-15' की अवधारणा पर आयोजित इस विशेष संवाद में विद्यार्थियों ने अपने लक्ष्य, रुचियों और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा की। जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि बड़े सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और समय प्रबंधन आवश्यक है। 'उठो, पढ़ो और बढ़ो' के मंत्र के साथ बच्चों को हर गलती से सीखते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

बच्चों ने झूला झूला, वॉलीबाल और शतरंज खेला तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने फूल लगाए तो विद्यार्थियों ने बांस से सुंदर फूल बनाकर स्थानीय कला और हुनर की झलक प्रस्तुत की। बच्चों ने कविता और पेंटिंग भी भेंट की।

विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने पर बच्चों ने अपने विचार रखे।

जशपुर में दो सौ स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को दिया गया फॉस्टेक का निःशुल्क प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला जशपुर द्वारा 200 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को निःशुल्क फॉस्टेक (खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन) प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेस्ले इंडिया एवं नासवी (नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया) के सहयोग से किया गया।

खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के प्रावधानों के तहत खाद्य कारोबारियों के लिए फॉस्टेक प्रशिक्षण आवश्यक है। प्रशिक्षण में चाय-नाश्ता, भोजन ठेला, टपरी, खोमचा, जलेबी-पकौड़ा-भजिया, चाट-गुपचुप, इडली-डोसा, भुंजा-फल्लीदाना, जूस-लस्सी-शेक, फास्ट फूड, मोमोज, चाइनीज फूड तथा आइसक्रीम-फलूदा सहित विभिन्न खाद्य व्यवसायों से जुड़े विक्रेता शामिल हुए।

प्रशिक्षण के दौरान विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों की स्वच्छ एवं सुरक्षित तैयारी, उचित तरीके से परोसने तथा व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक स्वच्छता के निर्धारित मानकों की जानकारी दी गई। साथ ही खाद्य सुरक्षा के प्रति ग्राहकों को जागरूक करने के लिए आवश्यक सावधानियों से भी अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी 200 विक्रेताओं को फॉस्टेक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र,

स्ट्रीट फूड विक्रेता प्रमाण पत्र तथा हाईजीन किट निरूशुल्क प्रदान की गई। हाईजीन किट में एप्रन, टोपी, हेड कवर, हाथ के दस्ताने, किचन तौलिया, हाथ धोने का साबुन और गोल्डन रूल चार्ट शामिल हैं।

विभाग द्वारा बताया गया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की योजना के तहत पात्र स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को आवेदन करने पर पाँच वर्ष के लिए खाद्य पंजीयन निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे छोटे खाद्य कारोबारियों को औपचारिक रूप से खाद्य सुरक्षा मानकों से जोड़ने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान ईट राइट आंदोलन के तहत भोजन में कम तेल, कम नमक और कम शक्कर के उपयोग के लिए भी विक्रेताओं को प्रेरित किया गया। इस संबंध में शासन द्वारा जारी पोस्टर एवं पर्चे वितरित किए गए।

सड़क दुर्घटना राहत योजना : गोल्डन आवर में त्वरित उपचार से बच रही घायलों की जिन्दगी

एसआर पाराशर

धमतरी। सड़क दुर्घटना के बाद शुरुआती समय पीड़ित के जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसी संवेदनशील समय में उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम-राहत (प्रधानमंत्री रोड एक्सीडेंट विक्टिम हॉस्पिटलाइजेशन एंड एश्योर्ड ट्रीटमेंट) योजना का प्रभावी क्रियान्वयन धमतरी जिले में किया जा रहा है। घायलों को अस्पताल पहुंचते ही कैशलेस एवं त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, ताकि उपचार में आर्थिक कठिनाई अथवा कागजी औपचारिकता बाधा न बने।

योजना के अंतर्गत पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती होने के दिन से अधिकतम सात दिनों तक प्रति व्यक्ति 1 लाख 50 हजार रुपए तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

धमतरी जिले में जिला प्रशासन

एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अस्पतालों और संबंधित स्वास्थ्य संस्थाओं के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। जिले में अब तक 31 सड़क दुर्घटना प्रकरणों में योजना के तहत कार्रवाई की गई, जिनमें 13 दुर्घटना पीड़ितों को योजना का लाभ मिला है। इनमें गंभीर रूप से घायल मरीज भी शामिल हैं, जिन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाकर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया।

जिले के सभी संबंधित शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों, जिनमें जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) शामिल हैं, के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा जिले के 20 निजी अस्पताल भी योजना से जुड़े हैं। इनमें 19 अस्पताल आयुष्मान भारत के तहत इम्पैनल्ड हैं, जबकि एक निजी अस्पताल पीएम-राहत योजना के तहत विशेष रूप से इम्पैनल्ड है। इस नेटवर्क के माध्यम से दुर्घटना पीड़ितों को उनके निकट उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधा में शीघ्र उपचार दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी दुर्घटना पीड़ित को आर्थिक कारणों अथवा औपचारिकताओं के चलते उपचार के लिए इंतजार न करना पड़े। पीएम-राहत योजना जरूरतमंदों को संकट की घड़ी में तत्काल चिकित्सा सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अस्पतालों को योजना के प्रावधानों के अनुरूप संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करने तथा दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

(उपसंचालक जनसम्पर्क)

सिलफिली महाविद्यालय में हरिशंकर परसाई जयंती पर व्यंग्य व सरोकारों की चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में हरिशंकर परसाई जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बृजलाल साहू प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय सूरजपुर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी, सहायक प्राध्यापक शासकीय कन्या महाविद्यालय सूरजपुर रहे।

सर्वप्रथम महाविद्यालय की छात्राओं अनामिका तथा मीनाक्षी ने हरिशंकर परसाई का संक्षिप्त जीवन तथा साहित्यिक परिचय प्रस्तुत किया।

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र प्रियांशु ने परसाई के व्यंग्य 'शिकायत मुझे भी है' का पाठ कर विद्यार्थियों को देश से पलायन कर रहे प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, डॉक्टरों की विडंबना के साथ तथा शासन-प्रशासन की बेरोजगारों के प्रति उदासीनता के भाव से अवगत कराया।

छात्रा सोनम ने परसाई के व्यंग्य 'चूहा और मैं' का पाठ कर देश के लोगों को आपने कर्तव्य के प्रति जागरूकता की आशा व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान हरिशंकर परसाई के जीवन पर आधारित एनसीईआरटी द्वारा निर्मित शैक्षिक वीडियो को प्रोजेक्टर द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि बृजलाल साहू ने विद्यार्थियों को अभिधा, लक्षणा तथा व्यंजना शब्द शक्ति को समझाते हुए व्यंग्य से उसके संबंध को बताया।

उन्होंने कहा कि परसाई की समाज के लिए चिंता हमें यह संदेश देती है कि हमें समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझना चाहिए। हमें समाज के दोहरे चरित्र को भी समझने की आवश्यकता है, जहाँ उसकी कथनी और करनी दोनों में फर्क है। हमें अपने स्वत्व

से ऊपर उठकर समाज और देश के लिए योगदान देना चाहिए।

जब हम समाज के विषय में सोचना शुरु करेंगे तभी हमें उसमें मौजूद विभिन्न बुराइयों से साक्षात्कार होगा और हम उनके विरुद्ध आवाज उठा सकेंगे।

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रेमचंद, ज्ञान चतुर्वेदी इत्यादि की रचनाएं हमें समाज के प्रति चिंतन के लिए विवश करती हैं। साहित्य की हर विधा कोई न कोई संदेश देती है और हमें अकेला होने नहीं देती इसलिए अच्छा साहित्य अवश्य पढ़ना चाहिए।

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ अजय कुमार तिवारी ने बताया कि परसाई कबीर के एक प्रिय दोहे 'सुखिया सब संसार है खावे और सोवे। दुखिया दास कबीर है जागे और रोवे' को अक्सर गुनगुनाते थे। वे समाज के सच्चे पहरेदार थे। परसाई का जागरण समाज की भलाई के लिए था।

परसाई ने समाज के सुनहरे पक्ष के पीछे छिपी कुरूपता को अपने व्यंग्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व कबीर की तरह था। उन्होंने 'कागद की लेखी' पर नहीं बल्कि 'आँखन देखी' पर विश्वास किया। उन्होंने समाज के मध्य तथा निम्न वर्ग के बीच रहकर सामान्य लोगों, मजदूर, किसान, रिक्शा वाले, ठेला चलाने वाले, कुलीगिरी करने वाले से उनके मन की बातें जानकर समाज के वास्तविक रूप को पहचाना। उन्होंने समाज की वास्तविक बुराइयों और देशव्यापी भ्रष्टाचार को अपने व्यंग्यों का आधार बनाया।

परसाई ने भेड़े और भेड़िए व्यंग्य के माध्यम से कथित प्रजातन्त्र की पोल खोली है। परसाई बताते हैं कि किस प्रकार प्रचार तंत्र किसी भी सरकार को बनाने अथवा गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?

'भोलाराम का जीव' निबंध में सरकारी कार्यालयों के भ्रष्टाचार को प्रस्तुत करते हैं। 'इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर' व्यंग्य में वे बताते हैं कि भ्रष्ट पुलिस तंत्र जिसे चांद की पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए चांद पर भेजा जाता है। वह वहां की व्यवस्था को भी भ्रष्ट कर देता है। भ्रष्टाचार से त्रस्त चांद का प्रशासन अंततः उसे वापस पृथ्वी पर भेज देता है।

हरिशंकर परसाई आचरण और जीवन मूल्य को सर्वाधिक प्राथमिकता देते हैं। इस देश में मानव मूल्यों के पतन का कारण व्यक्ति के लालच और शासन की गलत नीतियों को मानते हैं।

कौन हैं लिज?

जीता मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब

दुनिया के सबसे बड़े पेजेंट में कर चुकीं भारत का प्रतिनिधित्व

केरल की लिज मैजो को मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब मिला है। वह टॉप-5 फाइनलिस्ट तमिलनाडु, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तराखंड की सुंदरियों में एक थीं। आइए जानते हैं लिज मैजो कौन हैं?

रविवार की रात को मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 के विजेता को लेकर काफी गहमागहमी रही। रात करीब 2.50 बजे केरल की कैजिया लिज मैजो मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की विजेता बनीं। मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 प्रतियोगिता में 53 सुंदरियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखी। टॉप-5 फाइलिस्ट में वैष्णवी, तेजस्विनी श्रीवास्तव, लिज मैजो, अनुश्री सतवालेकर और अनुभा वशिष्ठ शामिल रहीं। इस खबर में हम आपको बता रहे हैं कि विजेता लिज मैजो हैं।

कौन हैं लिज मैजो?

19 साल की केरल की कैजिया लिज मैजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब हासिल किया है।

वह लॉ की छात्रा, मॉडल और क्लासिकल डांसर हैं।

लिज मैजो ने साल 2026 में ही 'मिस यूनिवर्स केरल 2026' का खिताब अपने नाम किया था।

यह खिताब जीतने वाली वह केरल की सबसे कम उम्र की लड़की थीं।

साल 2025 में लिज मैजो 'मिस टीन इंटरनेशनल 2025' की फर्स्ट रनर अप रही थीं।

कौन हैं लिज के माता-पिता?

लिज, मेजो अब्राहम और सुजा मेजो की बेटी हैं। वह बेंगलुरु में लॉ की पढ़ाई कर रही हैं और फिलहाल कोच्चि में रहती हैं।

लिज ने पहले 'मिस टीन इंडिया' का भी खिताब जीता था। इसके बाद वह दुनिया के सबसे बड़े टीन ब्यूटी पेजेंट में से एक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

सोशल मीडिया पर कितने हैं फॉलोअर्स?

लिज मैजो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। वह इंस्टाग्राम पर 394 लोगों को फॉलो करती हैं। जबकि उन्हें 39 हजार लोग फॉलो करते हैं।

लिज मैजो मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास के बारे में खुलकर बात करती हैं।

जयपुर में हुआ कार्यक्रम

राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की विजेता का एलान रात करीब 2.50 बजे किया गया। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की विजेता मनिका विश्वकर्मा ने केरल की विजेता को क्राउन पहनाया।

तमिलनाडु की वैष्णवी फर्स्ट रनर अप रहीं।
दूसरी रनर अप अनुश्री सतवालेकर- गुजरात।
तीसरी रनर अप- तेजस्विनी श्रीवास्तव- महाराष्ट्र।
चौथी रनर अप- अनुभा वशिष्ठ- उत्तराखंड।

ये सेलेब्स भी हुए शामिल

इस प्रतियोगिता को जीतने वाली ब्यूटी क्वीन इस साल के आखिर में प्यूर्टो रिको में होने वाले 75वें मिस यूनिवर्स कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेंगी। मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के जज पैनल में अभिनेत्री सुष्मिता सेन, सेलिना जेटली और उर्वशी रौतेला शामिल हैं।

जज पैनल में फिल्म प्रोड्यूसर प्रज्ञा कपूर समेत कई अन्य लोग भी शामिल हैं। गौरतलब है कि सुष्मिता ने साल 1994 में वैश्विक खिताब मिस यूनिवर्स अपने नाम किया था। सेलिना जेटली ने 2001 और उर्वशी रौतेला ने 2015 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीता था।

'उधार चुकाना है', रितेश को किसकी तलाश?

इंस्टाग्राम पर रितेश देशमुख ने एक पोस्ट साझा की है, इसमें वह एक शख्स का जिक्र कर रहे हैं, जिसका उधार उन्हें चुकाना है। जानिए, यह उधार उन्होंने क्यों लिया था?

रितेश देशमुख और जेनेलिया एक पार्टी में शामिल होने के लिए रविवार को मुंबई के रेस्त्रां में नजर आए। जब दोनों वहां से बाहर निकले तो पैपराजी ने घेर लिया। इसी बीच ऐसी घटना घटी कि उन्हें एक शख्स ने कुछ पैसे उधार दिए। इस उधार को वह चुकाना चाहते हैं। उस शख्स का नंबर सोशल मीडिया पर मांग रहे हैं।

किसने और क्यों दिए रितेश को पैसे?

जब पैपराजी रितेश और जेनेलिया की फोटो ले रहे थे तो कुछ छोटे बच्चे पैसे मांगने लगे। रितेश के पास उस वक्त पैसे नहीं थे। ऐसे में एक पैपराजी ने उनकी तरफ से बच्चों को पैसे दे दिए। इस बात के लिए रितेश ने उसे शुक्रिया कहा। अब उसी पैपराजी की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर साझा करते हुए, वह उसका नंबर मांग रहे हैं।

अपनी पोस्ट में रितेश लिखते हैं, 'भाऊ धन्यवाद। प्लीज मुझे उसका नंबर दिलाने में मदद करो। उसने मेरे लिए पैसे दिए थे। मुझे उसका उधार चुकाना है।'

रितेश चाहते हैं कि वह पैपराजी को उसके पैसे लौटा दें।

करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं रितेश?

हाल ही में रितेश ने एक मराठी फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज का रोल किया था। इस फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इसके अलावा वह फिल्म 'धमाल 4' में भी नजर आए थे।

अजय देवगन ने 'दृश्यम 3' के शीर्षक का किया एलान नए पोस्टर के साथ सामने आई फिल्म की रिलीज डेट

अजय देवगन अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' के साथ आ रहे हैं। उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट बताई है। इसके साथ उन्होंने इसका टाइटल भी रिवील किया है। अजय देवगन 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की तीसरी और आखिरी फिल्म में विजय सलगांवकर के रोल में वापसी कर रहे हैं।

एक्टर ने तीसरी फिल्म का आधिकारिक टाइटल 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' अनाउंस किया है। यह फिल्म दो अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अंदाजा लगाया जाता है कि इस फिल्म में यह दिखाया जाएगा कि कहानी का आखिर में क्या अंजाम होता है।

पोस्टर में क्या है?

24 अगस्त को अजय देवगन ने 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' का पहला पोस्टर जारी किया और फ्रेंचाइजी के आखिरी चैप्टर का आधिकारिक एलान किया। पोस्टर पर लिखा है, 'मेरा सच, मेरा सही, सिर्फ मेरी फैमिली है।' यह कैप्शन विजय सलगांवकर की सोच को बखूबी दिखाता है। पोस्टर में अजय देवगन की तस्वीर है, जिसमें उनका आधा चेहरा और एक आंख दिख रही है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा 'हर इंसान का नजरिया अलग होता है। मेरे लिए मेरा परिवार ही सबकुछ है। दृश्यम द कन्क्लूजन दो अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' अजय देवगन ने इस पोस्ट में तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, जयदीप अहलावत, प्रकाश राज और अभिषेक जैसे कलाकारों को टैग किया है।

'दृश्यम द कन्क्लूजन' को स्टार स्टूडियोज और पैनोरमा स्टूडियोज बना रहे हैं। अभिषेक पाठक तीसरी फिल्म को निर्देशित करेंगे। उन्होंने आमिल कीयन खान और परवेज शेख के साथ मिलकर फिल्म की कहानी भी लिखी है। आलोक जैन, अजीत अंधारे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक इस फिल्म के निर्माता हैं।

यह फिल्म गोवा के एक शांत स्वभाव वाले फैमिली मैन विजय सलगांवकर की कहानी है। वह अपने घर में हुए एक मर्डर के बाद अपनी फैमिली को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश करता है। तीसरे पार्ट में अजय देवगन विजय सालगांवकर के रोल में वापसी करेंगे। तब्बू आईजी मीरा देशमुख और श्रिया सरन नंदिनी के रोल में फिर से नजर आएंगी।

रजत कपूर भी वापसी करेंगे, जबकि प्रकाश राज और जयदीप अहलावत नए किरदारों में कास्ट में शामिल हुए हैं। शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

कब आईं पहली और दूसरी किस्त?

हिंदी 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2015 में मोहनलाल की मलयालम थ्रिलर के रीमेक के साथ हुई थी। फिल्म ने जल्द ही दर्शकों का दिल जीत लिया और दुनिया भर में लगभग 110 करोड़ रुपये की कमाई की।

2022 में आई 'दृश्यम 2' ने फ्रेंचाइजी को एक कदम और आगे बढ़ाया और भी बड़ी हिट साबित हुई, जिसने दुनिया भर में लगभग 342 करोड़ रुपये की कमाई की।

बार-बार फोन चेक करने की आदत है? जानिए इसके कारण

जानकारी का बोझ

आजकल हमारे पास हर तरह की जानकारी एक क्लिक की दूरी पर मौजूद रहती है। सोशल मीडिया, समाचार ऐप और अन्य माध्यमों के जरिए हम हर पल नई जानकारियों से जुड़े रहते हैं। यह जानकारी इतनी अधिक होती है कि उसे बार-बार देखने की जरूरत महसूस होती है। इससे हमें लगता है कि हम कुछ जरूरी नहीं छोड़ रहे हैं, लेकिन वास्तव में यह हमारी मानसिक शांति को प्रभावित करता है।

सामाजिक जुड़ाव की चाह

सोशल मीडिया, जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहना हमारे लिए एक तरह का सामाजिक जुड़ाव बनाता है। हम चाहते हैं कि हमारे पोस्ट्स पर लाइक्स आएं, टिप्पणियां मिलें और लोग हमारे साथ बातचीत करें। इस चाहत के कारण हम बार-बार अपने फोन को देखते रहते हैं, ताकि कहीं कोई टिप्पणी या संदेश न छूट जाए। यह हमारे लिए मानसिक संतुलन बनाए रखने का एक तरीका जैसा बन जाता है।

खोने का डर

खोने का डर एक ऐसी भावना है, जो हमें हमेशा अपडेट रहने पर मजबूर करती है। हम चाहते हैं कि हम हर जरूरी खबर, घटना या चलन से वाकिफ रहें, ताकि हमें ऐसा न लगे कि हम कुछ अहम छोड़ रहे हैं।

इस डर के कारण हम बार-बार अपने फोन को देखते रहते हैं, जिससे हमारी यह आदत बन जाती है। इससे हमें लगता है कि हम किसी भी जरूरी जानकारी से वंचित नहीं रहेंगे।

काम का दबाव

आजकल काम का दबाव इतना बढ़ गया है कि लोग अपने ऑफिस ईमेल्स और संदेश पर लगातार नजर रखते हैं। अगर कोई जरूरी मेल आया हो या कोई जरूरी संदेश आया हो तो उसे तुरंत देखना जरूरी हो जाता है। इस वजह से लोग अपने फोन को बार-बार देखते रहते हैं, ताकि कोई जरूरी जानकारी छूट न जाए। इससे उनकी यह आदत बन जाती है और वे हमेशा काम के तनाव में रहते हैं।

मनोरंजन का साधन

फोन का इस्तेमाल मनोरंजन के लिए भी किया जाता है, जैसे वीडियो देखने, खेल खेलने या संगीत सुनने आदि। ये सभी गतिविधियां हमें खुश रखती हैं, लेकिन इनकी आदत लग जाती है।

हम हर समय अपने फोन पर कुछ न कुछ करते रहते हैं, जिससे हमें लगता है कि हमारा समय सही तरीके से उपयोग हो रहा है।

इन सभी कारणों से बार-बार फोन देखने की आदत बन जाती है, जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती है।

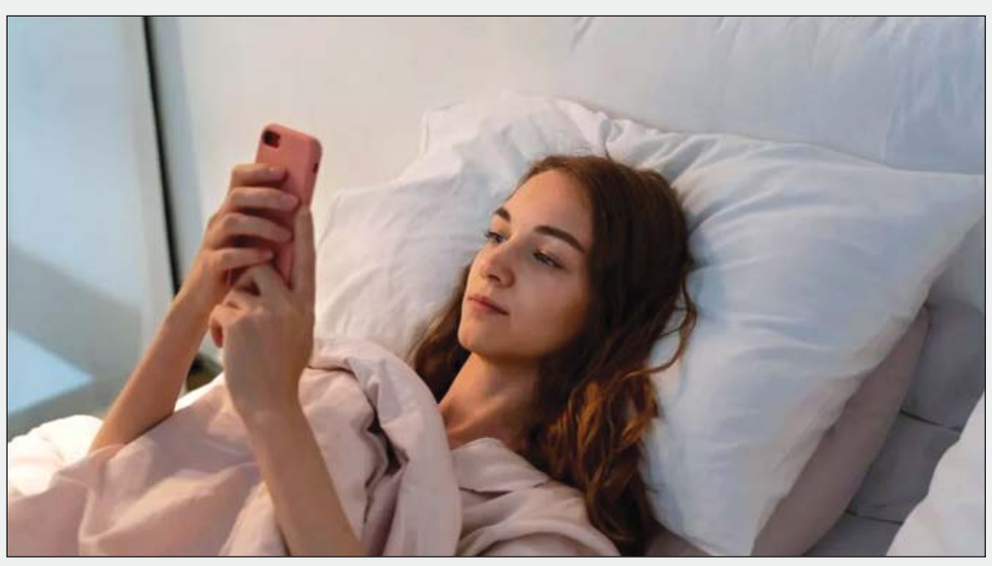

कई लोग बार-बार अपने फोन को देखते रहते हैं। यह आदत न केवल समय की बर्बादी कर सकती है, बल्कि मानसिक सेहत पर भी बुरा असर डाल सकती है। इस लेख में हम इस आदत के पीछे की मानसिक वजहों का पता लगाएंगे और जानेंगे कि क्यों लोग बार-बार अपने फोन को देखते हैं और इससे कैसे निपटा जा सकता है। इसके अलावा इस आदत से जुड़े कुछ रोचक तथ्य भी जानेंगे।

फिल्म 'मिर्जापुर' के मेकर्स ने जारी किए चार नए पोस्टर्स, बब्बन बबुआ से लेकर मुमताज बीबी तक की मिली झलक

फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' के नए पोस्टर्स मेकर्स ने सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिए हैं। फिल्म में इस बार कई कलाकारों की धमाकेदार एंट्री होने वाली है। जानें कौन हैं वो एक्टर्स...

फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' जल्द रिलीज होने वाली है। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म के अन्य किरदारों से भी पर्दा उठा दिया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के नए पोस्टर्स रिलीज किए हैं।

किन किरदारों के हुए पोस्टर रिलीज?

'मिर्जापुर: द मूवी' के मेकर्स ने फिल्म से जुड़े कई अन्य किरदारों का भी पोस्टर जारी किया है। इनमें रवि किशन, मोहित मलिक, सुशांत सिंह और सोनल चौहान शामिल हैं। फिल्म मे रवि किशन बब्बन बबुआ, मोहित मलिक बिरजू लोहार, सुशांत सिंह भैरव सिंह कर्णावत और सोनल चौहान मुमताज बीबी की भूमिका में नजर आएंगी।

रवि किशन भी बने लड़ाई का हिस्सा

किरदारों का परिचय नए तरीके से दर्शकों को दिया था। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शामिल थे। इसके पहले जब अगस्त में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। तब यह दिखाया गया था कि इस बार सत्ता की लड़ाई सिर्फ कालीन भैया, गुड्डू और मुन्ना के बीच ही सीमित नहीं होगी। रवि किशन उर्फबब्बन बबुआ भी इस वर्चस्व की लड़ाई का हिस्सा होंगे।

कब होगी फिल्म रिलीज?

यह फिल्म 4 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कास्ट में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, अली फजल, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंग्शा बिस्वास, शाजी चौधरी, सत्येंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह अहम भूमिकाओं में हैं।

खास-खबर

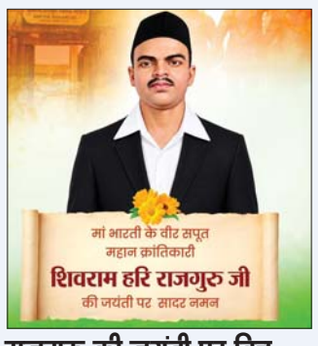

राजगुरु की जयंती पर वित्त मंत्री ने किया सादर नमन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मां भारती के वीर सपूत एवं महान क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री चौधरी ने कहा कि राजगुरु ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका साहस, राष्ट्रभक्ति और अदम्य बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि राजगुरु ने भगत सिंह और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। देश की आजादी के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान युवाओं में राष्ट्रभक्ति और देशसेवा की भावना जागृत करने वाला है।

मिनीमाता बांगो बांध के 7 गेट से पानी छोड़ा जा रहा

सक्ती। 21/08/2026 को पिछले रात्रि 8:30 बजे से सुबह 9:00 के बीच बांगो बांध में पानी का आवक कम होने से मिनीमाता बांगो बांध के जलस्तर में 4 सेमी की गिरावट आई है। बांध के जल भराव को नियंत्रित करने के लिए जल द्वारों की कुल ओपनिंग 4.00 मीटर को कम किया जाकर 3.00 मीटर किया गया।वर्तमान में अतिरिक्त पानी की मात्रा को 7 जलद्वारो एवं पावर हाउस के माध्यम से निकाला जा रहा है। अभी बांध का जलस्तर 358.18 मीटर (91.18 प्रतिशत) है। पानी का इनफ्लो 20280 क्यूसेक एवं आउट फ्लो 25848 क्यूसेक है।

राज्य में मानसून का जलवा: औसतन 783.0 मिमी वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 23 अगस्त 2026 तक की बारिश रिपोर्ट के मुताबिक 1 जून से अब तक प्रदेश भर में औसतन 783.0 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो कि इस अवधि की 10 वर्षों की औसत बारिश (791.1 मिमी) का लगभग 99 प्रतिशत है। चालू मानसून सत्र में आज प्रदेश का औसत दैनिक वर्षा का आंकड़ा 15.6 मिमी रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश में बारिश का वितरण क्षेत्रवार काफी विविध रहा है। मैदानी और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में जहां बादल खुलकर बरसे हैं, वहीं बस्तर संभाग और सरगुजा के कुछ इलाकों में बारिश की रफ्तार अब भी औसत से पीछे चल रही है। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो राज्य में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला 168.3 फीसदी बारिश के साथ पहले पायदान पर है, जबकि बलरामपुर 150.6 फीसदी और महासमुंद 133.2 फीसदी के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

गांव के बच्चों के हाथ में होगी भविष्य की तकनीक, मगरलोड में बनेगी रोबोटिक्स व थ्री-डी प्रिंटिंग लैब

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले के मगरलोड क्षेत्र में विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक तकनीक, नवाचार एवं उद्यमिता के नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। शिक्षा विभाग द्वारा मगरलोड में अत्याधुनिक रोबोटिक्स लैब एवं रोबोटिक्स थ्री-डी प्रिंटिंग लैब विकसित की जा रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण अंचल के बच्चों और युवाओं को तकनीकी शिक्षा के व्यावहारिक अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार करना है।

इस पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें रोबोटिक्स, थ्री-डी प्रिंटिंग, डिजाइन, प्रोग्रामिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवाचार जैसे क्षेत्रों में प्रयोग एवं सीखने का अवसर मिलेगा। इससे बच्चों में तार्किक सोच, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद मिलेगी।

लैब की संकल्पना को स्थानीय युवाओं की रुचि और सहभागिता से

आगे बढ़ाया जा रहा है। हाल ही में मगरलोड में रोबोटिक्स वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें युवाओं एवं विद्यार्थियों को रोबोटिक्स तकनीक की प्रारंभिक जानकारी, मॉडल निर्माण, प्रोग्रामिंग तथा तकनीकी प्रयोगों से परिचित कराया गया।

इस रोबोटिक्स वर्कशॉप में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयंत नाहटा भी पहुंचे थे। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित किया। उनके आइडियाज की सराहना की थी।

प्रस्तावित लैब विद्यार्थियों के लिए सीखने के साथ-साथ 'करके सीखने' (Learning by Doing) का प्रभावी मंच बनेगी। यहां विद्यार्थी अपनी कल्पनाओं को मॉडल और प्रोटोटाइप के रूप में विकसित कर सकेंगे।

थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी तकनीक के माध्यम से डिजाइन को वास्तविक रूप देने का अवसर मिलेगा। आगे चलकर स्थानीय समस्याओं के तकनीकी समाधान विकसित करने, नवाचार आधारित परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने और इच्छुक युवाओं को स्टार्टअप एवं उद्यमिता की दिशा में मार्गदर्शन देने की संभावनाएं भी विकसित होंगी।

नशामुक्ति की राह पर आगे बढ़ा ग्राम बनबगौद, महिलाओं ने संभाली कमान

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले में नशामुक्ति को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता प्रयासों को ग्राम स्तर पर भी व्यापक जनसहयोग मिल रहा है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय से दूर आदिवासी बाहुल्य ग्राम बनबगौद (कुकरेल) की महिलाओं ने नशे के विरुद्ध अनुकरणीय पहल शुरू की है। गांव के करीब 30 स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं एकजुट होकर ग्राम को नशामुक्त बनाने के लिए आगे आई हैं।

नशे के कारण परिवारों और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को करीब से देखने वाली इन महिलाओं ने अब इसे केवल सामाजिक समस्या मानकर चुप रहने के बजाय स्वयं इसके खिलाफ मोर्चा संभाला है। गांव के कई युवाओं के नशे की गिरफ्त में आने से दुर्घटनाओं में असमय मृत्यु, परिवारों की आर्थिक स्थिति पर विपरीत प्रभाव तथा नवविवाहित परिवारों के उजड़ने जैसी घटनाओं ने महिलाओं को इस दिशा में ठोस पहल के लिए प्रेरित किया। महिलाएं सुबह और शाम गांव में सामूहिक रूप से गश्त लगाती हैं तथा नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए नारे लगाती हैं। वे युवाओं और ग्रामीणों से नशे से दूरी बनाने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की अपील कर रही हैं। महिलाओं का यह अभियान सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत कर रहा है। अभियान प्रारंभ करने से पहले महिलाओं ने ग्राम विकास समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर इस पहल की जानकारी साझा की तथा उनके सहयोग और सहमति का आग्रह किया। ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष एवं सचिव ने महिलाओं की पहल का समर्थन करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इससे गांव में नशामुक्ति के लिए सामूहिक प्रयासों को और मजबूती मिली है। महिलाओं के इस उत्साह और सामाजिक सरोकार को प्रोत्साहित करने के लिए मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को ग्राम बनबगौद में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा द्वारा महिलाओं को नशामुक्ति अभियान में उपयोग के लिए टोपी और बिगुल प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, नगरी, उप संचालक समाज कल्याण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

ग्राम बनबगौद की महिलाओं की यह पहल संदेश देती है कि जब समाज की मातृशक्ति किसी सकारात्मक बदलाव का संकल्प लेती है, तो वह अभियान जनआंदोलन का रूप ले सकता है। नशामुक्त गांव की दिशा में महिलाओं का यह प्रयास युवाओं के सुरक्षित भविष्य, स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की नींव मजबूत करने की प्रेरणादायी मिसाल बन रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मारुति मंगलम में आयोजित कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। विधि-विधान से रुद्राभिषेक कर उन्होंने छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकगण राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर मीनल चौबे, निगम-मंडलों के अध्यक्ष, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पिछले ढाई साल में 11 लाख पीएम आवास पूर्ण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण का कार्य निरंतर गति से जारी है। उपमुख्यमंत्री एवं पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि नई सरकार के गठन के बाद से अब तक 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के मकान पूर्ण किए जा चुके हैं। राज्य सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ लगातार कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि नई सरकार के गठन के बाद प्रथम कैबिनेट बैठक में ही प्रदेश के पात्र परिवारों के लिए 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने एवं निर्माण का संकल्प लिया गया था। इसी संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा आवास निर्माण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया गया है। श्री शर्मा ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश में 5 लाख 92 हजार से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए गए। यह उपलब्धि पूरे देश में सर्वाधिक है। राज्य सरकार द्वारा पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

पुस्तक 'जशपुर : एक परिचय' का विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान दिल्ली के द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'जशपुर : एक परिचय' का विमोचन किया। यह पुस्तक जशपुर जिले के इतिहास, प्रशासनिक विकास, सुशासन की व्यवस्थाओं, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन, जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक संपदा और विकास की संभावनाओं पर केंद्रित एक व्यापक अध्ययन है।

पुस्तक में आजादी के बाद से जशपुर की प्रशासनिक व्यवस्था में आए बदलावों के साथ वर्तमान प्रशासनिक संस्थाओं और कार्यप्रणाली का अध्ययन किया गया है। इस अवसर पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा रायपुर के चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव श्री सुयोग्य कुमार मिश्रा, वाइस चेयरमैन भूतपूर्व अपर

मुख्य सचिव डॉ. इंदिरा मिश्रा तथा वाइस चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव तथा वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह उपस्थित थे। श्री साय ने इस प्रकाशन के लिए भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा को बधाई देते हुए कहा कि जशपुर छत्तीसगढ़ के उन विशिष्ट अंचलों में है, जहां प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत संरक्षित है।

नीट यूजी काउंसलिंग, निश्चिंत रहें छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी : जायसवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के बच्चों के हितों के साथ किसी भी तरह की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज और एमबीबीएस की सीटें बढ़ाने का उद्देश्य ही यही है कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक बच्चों को मेडिकल शिक्षा का अवसर मिले।

श्री जायसवाल ने कहा है कि डोमिसाइल को लेकर अगर कहीं कोई शंका या शिकायत सामने आती है तो उसकी पूरी गंभीरता से जांच कराई जाएगी।व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और पुख्ता बनाया गया है। जिनके दस्तावेज सही हैं, उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कहीं नियमों का उल्लंघन या फर्जीवाड़ा पाया

गया तो उसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों ने मेहनत की है, उनके भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। मेडिकल कॉलेज और सीटें बढ़ाना हमारी उपलब्धि है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है कि इसका लाभ पात्र विद्यार्थियों को ही मिले। इस मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं होगी।

पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी काउंसलिंग, मेरिट और आवंटन की संपूर्ण प्रक्रिया प्रचलित प्रवेश नियमों के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से पारदर्शी ढंग से संपादित की जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य काउंसलिंग समिति ने नीट यूजी प्रवेश वर्ष 2026 की राज्य स्तरीय काउंसलिंग को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) स्नातक प्रवेश नियम, 2025 के नियम 7 के अनुसार ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में पंजीयन, प्राथमिकता क्रम का निर्धारण, आवंटन, मूल दस्तावेजों की संवीक्षा एवं प्रवेश की प्रक्रिया शामिल है।

खेलो इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ियों को खेल मंत्री साव ने किट वितरण कर बधाई दी

शहीद राजीव पांडे अवॉर्डी खिलाड़ी लक्की यादव को मिली सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री अरुण साव के शनिवार को महासमुन्द प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय में अध्यक्ष जिला पैरा स्पोर्टस संघ महासमुंद निरंजन साहू एवं जिला पैरा स्पोर्टस खिलाडी लक्की यादव राजीव पाण्डे अवॉर्ड वर्ष 2025-26 राज्य खेल अलंकरण हेतु चयनित होने पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री श्री अरुण साव ने लक्की यादव को बधाई देते हुए सम्मानित किया।

अध्यक्ष, जिला पैरा स्पोर्टस संघ द्वारा दिव्यांग पैरा खिलाड़ियों के खेल गतिविधियों में विकास लाने हेतु दिव्यांग एवं सामान्य खिलाडियों के खेल के प्रति राष्ट्रीय भाव उत्पन्न करने हेतु समावेशी खेल एकेडमी (आवासीय एवं गैर आवासीय) संचालन के संबध में मांग पत्र माननीय मंत्री जी को सौंपा गया, जिसमें खिलाडियों का निरंतर अभ्यास, पोषण, आहार व्यवस्था तथा तकनीकी प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सुझाव रखा गया। इस अवसर पर मंत्री श्री साव के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से मांग पत्र पूरी करने हेतु आश्वासन दिया गया। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री श्री अरुण साव द्वारा खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा संचालित खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग के खिलाड़ियों से मुलाकात व परिचय प्राप्त कर खेल कीट का वितरण कर बधाई एवं आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, अपर कलेक्टर रवि साहू, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, अन्य जिला अधिकारी, प्राचार्य एकलव्य भोरिंग महेंद्र टंडन, एन आई एस तीरंदाजी प्रशिक्षक एवन कुमार साहू, व्यायाम शिक्षक एकलव्य भोरिंग नीलम साहू एवं खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ी उपस्थित रहे।

वर्तमान में 60 खिलाड़ी तीरंदाजी अभ्यास करने खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य भोरिंग में पहुंच रहे हैं।

राखी से पहले सुनीता के खाते में पहुंची 30वीं किस्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए निरंतर आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रसौटा की सुनीता अनंत के लिए भी महतारी वंदन योजना मुश्किल समय में भरोसे का सहारा बन गई है। योजना की 30वीं किस्त की राशि खाते में पहुंचने से सुनीता के चेहरे पर खुशी नजर आयी। रक्षाबंधन पर्व से पहले मिली इस राशि को उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से प्रदेश की बहनों के लिए विशेष उपहार बताया।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में
कार्य करने हेतु
लड़को की
आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म आरोपी पिता गिरफ्तार

भाटापारा। 17 साल की बेटी से दुष्कर्म के मामले में आरोपी पिता को गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थिया ने थाना भाटापारा ग्रामीण में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पति शिवकुमार यादव उसकी नाबालिग पुत्री के साथ डरा-धमकाकर व मारपीट कर लगातार गलत काम कर रहा था। विरोध करने पर आरोपी पीड़िता के साथ गाली-गलौज व मारपीट करता था। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर थाना भाटापारा ग्रामीण में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 478/2026, धारा 64(2)(च)(ड), 74, 296, 115(2), 351(3) बीएनएस धारा 4, 6 पॉक्सो एक्ट एवं धारा 75 जेजे एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना में लिया गया। भाटापारा ग्रामीण पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की पतासाजी कर घेराबंदी की गई और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पर्याप्त अपराध साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी शिवकुमार यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

रायपुर में गाड़ी चुराने वाले तीन चोर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में लगातार हो रही दोपहिया वाहन चोरी के मामलों का पुलिस ने खुलासा किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा है। पुलिस ने उससे वाहन के दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई वैध कागज नहीं दिखा सका। पूछताछ में उसने रायपुर के अलग-अलग इलाकों से दोपहिया वाहन चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की 9 दोपहिया गाड़ियां बरामद की हैं। इनकी कुल कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में रायपुर निवासी टोपेश्वर साहू उर्फ संजू साहू और ओडिशा निवासी सूजल मेहेर उर्फ करण शामिल हैं। इसके अलावा एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है।

राजधानी में 24 घंटे में दो चाकूबाजी, दो युवकों की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के डीडी नगर थाना क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर चाकूबाजी की दो अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों मामलों में मामूली विवाद के बाद चाकू से हमला किया गया। एक घटना में युवक गंभीर रूप से घायल है, जबकि दूसरे मामले में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने एक मामले में दो नाबालिगों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों का पुलिस अधिकारी जल्द खुलासा करेंगे। इधर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने हत्याकांड पर गहरा आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और अपराधियों के दिल से पुलिस का खौफ खत्म हो गया है। दोहरे हत्याकांड के बाद नागरिकों में भय का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

देर रात अचानक धू-धू कर जलीं 2 कारें: पेंड्रा में पेट्रोल पंप के पास बड़ा हादसा टला

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। पेंड्रा में देर रात दो खराब कारों में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। दोनों वाहन आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गए। पास में खड़े ट्रैक्टर और अन्य वाहनों तक आग पहुंचने से पहले दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाल ली।

पेंड्रा थाना क्षेत्र में देर रात पेट्रोल पंप के पीछे खड़ी दो खराब कारों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दोनों कारें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर पालिका परिषद की दमकल टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार पेंड्रा-गौरेला मुख्य मार्ग पर स्थित काव्या पेट्रोल पंप के पीछे काफी समय से खराब हालत में दो कारें खड़ी थीं। देर रात अचानक दोनों वाहनों में आग लग गई। आग की तेज लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने नगर पालिका परिषद पेंड्रा की फायर ब्रिगेड टीम को मौके पर भेजा। दमकल वाहन के साथ पहुंची टीम ने तत्काल आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक दोनों कारें बुरी तरह जल चुकी थीं। राहत की बात यह रही कि दमकल टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। दोनों कारों के पास ही एक ट्रैक्टर भी खड़ा था। अगर आग पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया जाता तो इसकी चपेट में ट्रैक्टर के आने के साथ आसपास खड़े अन्य वाहनों तक भी आग फैल सकती थी।

प्रारंभिक तौर पर शरारती तत्वों द्वारा आग लगाए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फटेज खंगालने की तैयारी है, ताकि आग लगने से पहले और बाद की गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

दुर्ग भिलाई के थानों में सालों से खड़ी लावारिश गाड़ियां होंगी नीलाम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग भिलाई के थानों में वर्षों से खड़ी लावारिश गाड़ियां जल्द ही नीलाम होंगी। इसके लिए दुर्ग पुलिस ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। दुर्ग जिले के विभिन्न थाना परिसरों में वर्षों से खड़े लावारिस एवं ला-दावा 343 दोपहिया वाहनों के वास्तविक स्वामियों की पहचान के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए गए। नियमानुसार प्रक्रिया पूरी होने के बाद 343 दोपहिया वाहनों की एएसटीसी के माध्यम से धारा 28 पुलिस एक्ट के तहत नियमानुसार नीलामी की कार्रवाई शुरु की जा रही है।

दुर्ग जिले के विभिन्न थाना परिसरों में लंबे समय से खड़े लावारिस एवं ला-दावा वाहनों के कारण थाना परिसरों में उपलब्ध स्थान प्रभावित हो रहा था तथा आम नागरिकों एवं पुलिस कर्मचारियों के आवागमन में भी असुविधा होती थी। दुर्ग पुलिस द्वारा इन वाहनों के वास्तविक स्वामियों की पहचान एवं वैध दावेदारों की जानकारी प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रूप से प्रयास किए गए। संभावित वाहन स्वामियों एवं उनके परिजनों से संपर्क किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक सूचना प्रकाशित कराकर निर्धारित अवधि में वैध दस्तावेजों के साथ दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया।

निर्धारित अवधि में 343 दोपहिया वाहनों के संबंध में किसी वैध स्वामी अथवा दावेदार द्वारा स्वामित्व का दावा प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद उपलब्ध अभिलेखों की जांच एवं दावा-आपत्ति संबंधी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर वाहनों के नियमानुसार निराकरण की कार्रवाई प्रारंभ की गई है। इस कार्रवाई के माध्यम से वर्षों से थाना परिसरों में अनुपयोगी रूप से खड़े वाहनों का विधिवत निराकरण किया जा रहा है, जिससे थाना परिसरों में स्थान का बेहतर उपयोग संभव होगा तथा आम नागरिकों एवं पुलिस कर्मचारियों के आवागमन में होने वाली असुविधा भी कम होगी।

लावारिस और लादावा वाहनों की निपटान प्रक्रिया

लंबे समय से थाना परिसरों में रखे वाहनों का उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर परीक्षण किया गया। संभावित स्वामियों एवं परिजनों से संपर्क करने के साथ सार्वजनिक सूचना जारी की गई तथा निर्धारित अवधि में दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। वाहनों के वास्तविक स्वामियों की तलाश, सार्वजनिक सूचना एवं दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात धारा 28 पुलिस एक्ट के तहत एएसटीसी के माध्यम से नियमानुसार नीलामी की कार्रवाई की जा रही है।

वाहनों का विवरण

नीलामी प्रक्रिया में कुल 343 दोपहिया वाहन शामिल हैं। इनमें लूना, स्कूटी, स्कूटर, पल्सर, होंडा सीडी-100, पैशन, सीबी-जेड, टीवीएस स्पोर्ट, स्टार सिटी सहित विभिन्न कंपनियों एवं मॉडलों के दोपहिया वाहन शामिल हैं। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि किसी व्यक्ति का नीलामी प्रक्रिया में शामिल किसी वाहन पर वैध स्वामित्व संबंधी दावा है, तो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संबंधित दस्तावेजों के साथ थाना भिलाई नगर में संपर्क कर अपना दावा प्रस्तुत कर सकता है। नागरिक वाहन खरीदते समय उसके स्वामित्व, पंजीयन एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की विधिवत जांच अवश्य करें।

सीएमओ की नौकरी का झांसा देकर महिला से 44.42 लाख ठगे, 7 साल बाद एफआईआर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अभनपुर में झाड़-फूंक के नाम पर महिला से रेप और सीएमओ पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 44.42 लाख रुपए की ठगी की गई है। करीब 7 साल पुरानी इस घटना में पीड़िता ने अब अभनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मध्य प्रदेश के सागर निवासी आरोपी आशाराम चौधरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के मुताबिक, साल 2019 में वह सिरदर्द की समस्या से परेशान थी। इसी दौरान उसकी पहचान मध्य प्रदेश के सागर निवासी आशाराम चौधरी से हुई। आरोपी झाड़-फूंक के जरिए उसका इलाज करने का दावा करता था। महिला उस समय सीएमओ पद की परीक्षा देने वाली थी।

आरोप है कि आरोपी ने महिला को सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया। उसने दावा किया कि वह सीएमओ पद पर उसकी नौकरी लगवा सकता है। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने महिला के साथ रेप किया और नौकरी लगाने के नाम पर अलग-अलग समय में उससे 44 लाख 42 हजार रुपए ले लिए।

महिला का आरोप है कि रकम लेने के बाद आरोपी लगातार पैसे वापस करने का भरोसा देता रहा। इसी कारण उसने तत्काल पुलिस में शिकायत नहीं की और आरोपी के रुपए लौटाने का इंतजार करती रही, लेकिन लंबे समय बाद भी न तो उसे नौकरी मिली और न ही आरोपी ने रकम वापस की। इसके बाद पीड़िता ने अभनपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार, आरोपी मध्यप्रदेश के सागर जिले का निवासी है। शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। जांच के दौरान पुलिस 44.42 लाख रुपए के लेन-देन, नौकरी लगाने के दावे और महिला द्वारा लगाए गए अन्य आरोपों से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शादी का झांसा देकर युवती से रेप: शारीरिक संबंध बनाने के बाद किया शादी से इनकार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। रायगढ़ में शादी का झांसा देकर युवक ने युवती से रेप किया और जरूरत बताकर युवती से अलग-अलग समय पर करीब 2.50 लाख रुपए भी लिए। बाद में उसने दूसरी युवती से शादी कर ली। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली 27 वर्षीय युवती ने महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि साल 2023 में उसकी पहचान मोबाइल फोन के जरिए तरुण कर्ष (27), निवासी ग्राम ओडेकेरा, थाना जैजैपुर, जिला सक्ती से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच लगातार फोन पर बातचीत होने लगी। आरोपी उसे एक होटल में ले गया और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह उसके किराए के मकान में आता-जाता रहा और लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। पीड़िता ने बताया कि दोनों ने मंदिर में शादी भी की थी। वह आरोपी से सामाजिक रूप से शादी करने के लिए लगातार कहती रही। अप्रैल 2026 में भी आरोपी ने उससे शादी करने का भरोसा दिया था।

पीड़िता के मुताबिक इस दौरान आरोपी ने पैसों की जरूरत बताकर उससे अलग-अलग समय पर करीब 2.50 लाख रुपए ले लिए। 17 अगस्त 2026 को पीड़िता को जानकारी मिली कि तरुण ने किसी दूसरी युवती से शादी कर ली है। उसने रुपये वापस करने से भी मना कर दिया और जो करना है कर लेने की धमकी दी।

पीड़िता ने अपने माता-पिता से सलाह के बाद 20 अगस्त को महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पतासाजी के बाद पुलिस ने आरोपी को उसके गांव ओडेकेरा से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार किए जाने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

रायपुर में चेन स्क्रैचिंग करने वाली महिला गिरोह सक्रिय, पुलिस ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में भीड़भाड़ वाले इलाकों और सार्वजनिक परिवहन में चेन तोड़ने वाला महिला गिरोह सक्रिय है। आरोप है कि गिरोह की महिलाओं ने समग्र शिक्षा कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक मंजू लता साहू के गले से चेन तोड़ ली और फरार हो गईं।

सहायक संचालक की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी है।

बारिश के कारण ई-रिक्शा में बैठी थीं पीड़िता

पीड़िता मंजू लता साहू ने पुलिस को बताया कि वह जनता कॉलोनी, गुढ़ियारी में रहती हैं। 18 अगस्त को वह अपने परिचित के साथ एक्टिवा से कार्यालय जाने के लिए निकली थीं। बारिश तेज होने के कारण जेल रोड बस स्टॉप के पास

उन्होंने एक्टिवा खड़ी की और ई-रिक्शा से जाने का फैसला किया।

उन्होंने ई-रिक्शा चालक से बोर्ड ऑफिस चलने को कहा। ई-रिक्शा चालक खालसा स्कूल होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचा। यहां करीब छह महिलाएं ई-रिक्शा में सवार हो गईं। इसके बाद चालक आकाशवाणी चौक और जोगी बंगला होते हुए महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज की ओर जाने लगा।

धक्का-मुक्की के बीच चोरी की आशंका

पीड़िता के मुताबिक, ई-रिक्शा में सवारियों की संख्या बढ़ने के बाद बैठने में काफी परेशानी हो रही थी। इसी दौरान ई-रिक्शा में बैठी महिलाओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। करीब 10:05 बजे पेंशनबाड़ा हमर क्लिनिक के पास पीड़िता ई-रिक्शा से उतर गईं। ई-रिक्शा के वहां से जाने के बाद उन्होंने अपने गले की ओर देखा तो सोने की चेन गायब थी।

उन्होंने आशंका जताई कि ई-रिक्शा में सवार छह महिलाओं में से किसी ने भीड़ और धक्का-मुक्की का फायदा उठाकर उनकी करीब एक तोला वजन की सोने की चेन चोरी कर ली। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ई-रिक्शा के रूट और संबंधित स्थानों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल सकती है।

साथ ही ई-रिक्शा चालक और घटना के दौरान उसमें सवार महिलाओं की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि वारदात में किसी संगठित महिला गिरोह की भूमिका थी या नहीं।

जीआरपी ने पावर हाउस स्टेशन से इंटर-स्टेट ठग को पकड़ा

पहले दोस्ती की, फिर आर्मी जवान का एटीएम पिन देखा, ट्रेन में कार्ड चुराकर निकाले 97,500

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई में रेलवे पुलिस ने ट्रेन यात्रियों के पर्स और एटीएम कार्ड चोरी कर उनके खातों से रकम निकालने वाले अंतरराज्यीय ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी सेना और सुरक्षा बलों के जवानों को अपना आसान निशाना बनाता था। पुलिस के मुताबिक, दूर तैनाती के कारण जवान कई बार तुरंत बैंक से संपर्क कर एटीएम कार्ड बंद नहीं करा पाते थे। आरोपी इसी का फायदा उठाता था।

पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार दुबे उर्फ लल्लू (34), निवासी मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश, को पावर हाउस रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल, चार सिम कार्ड और 12 एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 3 हजार रुपए नकद भी मिले हैं। पूछताछ में

आरोपी के कई राज्यों में यात्रियों के पर्स और एटीएम कार्ड चोरी करने की बात सामने आई है। मामला 18 अप्रैल 2026 का है। सेक्टर-6 निवासी बीएसएफ जवान कन्हैया भगत बिहार जाने के लिए दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। टिकट लेने और ट्रेन पकड़ने की तैयारी के दौरान आरोपी ने उनसे बातचीत शुरू कर दोस्ती कर ली।

पुलिस के अनुसार, इसी दौरान आरोपी ने उनका एटीएम पिन देख लिया। इसके बाद ट्रेन में चढ़ने की भीड़ के बीच आरोपी ने कन्हैया का पर्स चोरी कर लिया। पर्स में एटीएम कार्ड था। पिन पहले ही पता होने के कारण कार्ड हाथ लगते ही आरोपी के लिए खाते से रकम निकालना आसान हो गया।

पुलिस जांच में पता चला कि चोरी किए गए एटीएम कार्ड से आरोपी ने करीब 75 हजार रुपए के सोने के झुमके खरीदे। इसके अलावा अलग-अलग एटीएम से 22,500 रुपए नकद निकाले गए। इस तरह एक ही वारदात में करीब 97,500 रुपए की रकम निकाली या खर्च की गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बाद में सोने के झुमके ग्वालियर में 50 हजार रुपए में बेच दिए। इस तरह उसने चोरी के एटीएम से रकम निकालने के साथ सामान खरीदा और दूसरे शहर में उसे बेच दिया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने अन्य वारदातों में भी इसी तरह चोरी किए गए एटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया होगा।

सुनील के खिलाफ छत्तीसगढ़ के अलावा कई राज्यों और बड़े शहरों में चोरी, जेब कटने और धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, करनाल, बेंगलुरु, इटारसी, भोपाल, ग्वालियर, दिल्ली निजामुद्दीन, जालंधर और हावड़ा सहित कई जगहों पर उसके खिलाफ मामले सामने आए हैं। अलग-अलग राज्यों में घूमकर वारदात करना उसकी कार्यशैली का हिस्सा बताया जा रहा है।

रेलवे पुलिस की साइबर टीम ने पकड़ा

कन्हैया भगत के खाते से रकम निकलने की शिकायत के बाद रेलवे पुलिस ने जांच शुरू की। रेलवे पुलिस की साइबर टीम और भिलाई-3 जीआरपी चौकी की संयुक्त टीम ने पैसों के लेन-देन और अन्य तकनीकी सुरागों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना के बाद आरोपी को पावर हाउस स्टेशन के पास पकड़ा गया।

हमर क्लीनिक की स्टाफ नर्स ने की आत्महत्या किराए के कमरे में फंदे से लटकता मिला शव

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई में हमर क्लीनिक में पदस्थ स्टाफ नर्स ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना जामुल थाना क्षेत्र के घासीदास नगर की है। मृतका की पहचान अहिवारा निवासी नेहा महिलांग के रूप में हुई है। वह पिछले करीब पांच साल से हमर क्लीनिक में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत थी। करीब एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी।

पुलिस के अनुसार, नेहा घासीदास नगर, जामुल में किराए के कमरे में रहती थी। इसी कमरे में उसका शव मिला। घटना की सूचना मिलने पर जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना की जांच के दौरान पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नेहा किन परिस्थितियों से गुजर रही थी और घटना से पहले क्या हुआ था। पुलिस उसके मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और बातचीत के साथ-साथ आसपास की परिस्थितियों की भी जांच कर सकती है। इसके अलावा हमर क्लीनिक में उसके साथ काम करने वाले कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा सकती है।

नेहा पिछले करीब पांच साल से हमर क्लीनिक में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत थी। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सुपेला अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

सूने मकान का ताला तोड़कर सामान ले उड़े चोर

कोरबा। शहर के घंटाघर-बुधवारी मार्ग स्थित पावर हाइट्स कॉलोनी में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया। कॉलोनी के मून ब्लॉक में रहने वाले विशाल गुप्ता के मकान में यह चोरी हुई है। विशाल गुप्ता बालको प्लांट में नियोजित ठेका कंपनी में अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। शनिवार रात उनके रिश्तेदार के निधन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वे रात में अपने मकान में ताला लगाकर रवाना हो गए थे। वे वर्तमान में किराए के दूसरे मकान में रह रहे हैं। उनके जाते ही कुछ घंटों के भीतर चोरों ने इस सूने मकान को निशाना बना लिया। सुबह घटना की जानकारी मानिकपुर चौकी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान कॉलोनी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे खराब मिले।

खास खबर

कृषि विश्वविद्यालय का 7 अगस्त का प्लांट पैथोलॉजी पेपर भी रद्द

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित आपातकालीन बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा 07 अगस्त 2026 को आयोजित बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी विषय के प्रश्न पत्र को भी लीक किए जाने की जानकारी मिलने पर उस प्रश्न पत्र को भी निरस्त करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग पर पेपर लीक प्रकरण में परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित न कर पाने हेतु नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने का फैसला लिया गया तथा उन्हें इस संबंध में नोटिस जारी किया गया। 20 अगस्त के पेपर लीक प्रकरण में रायपुर पुलिस द्वारा भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग के जिन दोषी पाए गए छात्रों को हिरासत में लिए गया है उनके ऊपर भी कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया है।

निर्माण श्रमिकों के 200 मेधावी बच्चों का होगा सम्मान

रायपुर। श्रम विभाग के छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों का राज्य स्तरीय सम्मान समारोह 24 अगस्त को दोपहर 12 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज परिसर के पास, जी.ई. रोड, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन अतिविशिष्ट अतिथि तथा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में 200 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा।

गुढ़ियारी के मारूति मंगलम परिसर से उठाया कांवड़

मुख्यमंत्री साय ने रुद्राभिषेक कर मांगा प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पवित्र श्रावण मास में राजधानी रायपुर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुढ़ियारी स्थित मारुति मंगलम परिसर में आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया और छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को पवित्र श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति का विशेष अवसर है। इस पवित्र माह में कांवड़ यात्रा हमारी आस्था, भक्ति और समर्पण की अनुपम अभिव्यक्ति है। हजारों शिवभक्त पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ के अभिषेक के लिए पैदल निकलते हैं। कठिन यात्रा के बीच शिवभक्तों का उत्साह और श्रद्धा सनातन संस्कृति में निहित आस्था की शक्ति को प्रकट करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुढ़ियारी के मारुति मंगलम परिसर से हजारों कांवड़िए पवित्र जल लेकर महादेव घाट स्थित भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए रवाना हुए हैं। शिवभक्तों के जयघोष और भक्ति से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा है। यह आयोजन केवल धार्मिक यात्रा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का उत्सव भी है।

राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इससे हमारी आस्था के केंद्रों को नई पहचान मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को भी विस्तार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कांवड़ यात्रा में शामिल सभी शिवभक्तों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की निरंतर प्रगति की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा छत्तीसगढ़ और प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे। हर परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली आए तथा हमारा छत्तीसगढ़ विकास और जनकल्याण के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, निगम-मंडलों के अध्यक्ष, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हटकेश्वरनाथ शिव आराधना का प्राचीन केन्द्र

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मंदिर छत्तीसगढ़ की प्राचीन शिव आराधना परंपरा का प्रमुख केंद्र है। महादेव घाट में विराजमान भगवान हटकेश्वरनाथ के प्रति प्रदेशवासियों की गहरी आस्था है। विशेष रूप से श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान जितनी इसकी प्राकृतिक सुंदरता और लोक-संस्कृति से है, उतनी ही इसकी गहरी आध्यात्मिक परंपराओं से भी है। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों में स्थित प्राचीन शिवधाम और शक्तिपीठ हमारी समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के साक्षी हैं।

नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ती है कांवड़ यात्रा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों में समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ जुड़ते हैं। इससे आपसी सद्भाव, सामाजिक एकता और समरसता की भावना मजबूत होती है। सेवा, सहयोग और सामूहिकता की यही भावना छत्तीसगढ़ की संस्कृति की विशेषता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आस्था को नई पहचान देने के साथ ही शासन आस्था के केन्द्रों को नई पहचान देकर धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार दे रही है।

शारदा के लिए महतारी वंदन योजना बना वरदान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। कोण्डागांव जिले के बड़ेराजपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोलियारी डीही की रहने वाली शारदा नाग के लिए भी महतारी वंदन योजना आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास का आधार बनी है। योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से उन्हें अपनी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में काफी मदद मिलने लगी। नियमित रूप से मिलने वाली सहायता राशि से उन्होंने कुछ पैसे बचाने शुरू किए और अपने घर के पास छोटी सी किराना दुकान शुरू कर ली। आज उनकी दुकान से परिवार की आमदनी में वृद्धि हुई है। इससे बच्चों की पढ़ाई में भी मदद मिल रही है। उन्होंने रक्षाबंधन से पहले मिली महतारी वंदन योजना की राशि को विष्णु भईया की सौगात मानते हुए कहा कि त्योहार की खुशियों के साथ उनके परिवार की आर्थिक खुशियों को भी बढ़ाया है।

बिहान से जय कुमारी ने गढ़ी आत्मनिर्भरता की राह

सरगुजा। लखनपुर विकासखंड के ग्राम गुमगराखुर्द की रहने वाली श्रीमती जय कुमारी भी बिहान योजना से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की सदस्य जय कुमारी ने अपनी निजी भूमि पर तालाब का निर्माण कर मत्स्य पालन को आजीविका का माध्यम बनाया। जय कुमारी ने बताया कि उन्होंने अपनी निजी भूमि पर तालाब का निर्माण कराया और इसके बाद उसमें मत्स्य पालन शुरू किया। 'बिहान' योजना के माध्यम से उन्हें मछली बीज की सहायता मिल रही है। मत्स्य विभाग से 50 प्रतिशत अनुदान पर मछली बीज उपलब्ध होने से उन्हें मत्स्य पालन गतिविधि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है। जय कुमारी की कहानी बताती है कि स्थानीय संसाधन, महिला की मेहनत और सरकारी सहयोग मिलकर स्थायी आजीविका का मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं। निजी भूमि पर तालाब निर्माण और मत्स्य पालन के माध्यम से उन्होंने आय का अतिरिक्त साधन विकसित किया है, जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता की उनकी राह और मजबूत हुई है।

बिहान से कल्पना बनीं 'लखपति दीदी'

सरगुजा। अम्बिकापुर विकासखंड के सकालो ग्राम पंचायत की कल्पना सिंह की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है। मां महामाया महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष कल्पना सिंह ने समूह के माध्यम से डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर कृषि कार्य शुरू किया। उन्होंने इस राशि का उपयोग खीरे की खेती के लिए किया। वर्तमान में उनके खेत में खीरे की तुड़ाई चल रही है और फसल से उन्हें अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। कल्पना सिंह हर वर्ष मौसम के अनुसार अलग-अलग फसलों और सब्जियों की खेती करती हैं। इनमें बैंगन, टमाटर, खीरा, तरबूज सहित अन्य फसलें शामिल हैं। अलग-अलग कृषि गतिविधियों को अपनाने से उन्हें आय के विविध स्रोत मिले हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है।

विष्णु भैया के सुशासन में विष्णुभोग की महक से महक रहा है गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ का 25वां नवगठित जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ अब विशिष्ट कृषि उत्पाद सुगंधित विष्णुभोग चावल के कारण भी नई पहचान बना रहा है। भारत सरकार की एक जिला-एक उत्पाद योजना के अंतर्गत विष्णुभोग चावल को जिले के प्रमुख उत्पाद के रूप में चुना गया है। मनमोहक सुगंध, उत्कृष्ट स्वाद और पारंपरिक खेती की विशेषताओं के कारण विष्णुभोग चावल आज जीपीएम जिले की विशिष्ट पहचान बन चुका है। विष्णुभोग की महक अब खेतों तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले की सीमाओं को पार कर प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच रही है।

पेंड्रा क्षेत्र में लगभग 1,500 किसान करीब 600 एकड़ भूमि में विष्णुभोग धान की खेती कर रहे हैं। किसानों की मेहनत, सामूहिक प्रयास और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदमों ने इस विशिष्ट धान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। विष्णुभोग की खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

विष्णुभोग चावल की खेती से लेकर उसके प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन तक महिलाओं की भागीदारी इसे आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी बना रही है। मलनिया महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, पेंड्रा द्वारा किसानों से विष्णुभोग धान की खरीदी की जाती है। इसके बाद मिनी राइस मिल में धान का प्रसंस्करण कर आकर्षक पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ बाजार में उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस कार्य से समूह की 15 महिला सदस्यों को स्थायी रोजगार मिला है। महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समूह की महिलाओं द्वारा अब तक लगभग 2 टन विष्णुभोग चावल की सफलतापूर्वक बिक्री की जा चुकी है, जिससे उन्हें करीब 1 लाख रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है।

छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों की जानकारी अब ऑनलाइन, हर माह दर्ज होगी उपस्थिति

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था में पारदर्शिता और बेहतर निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के विभिन्न आश्रम-छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं का पंजीयन विभाग द्वारा संचालित छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर किया गया है। पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से पोर्टल में पंजीकृत सभी छात्र-छात्राओं की जानकारी अब पोर्टल के होम पेज पर प्रदर्शित की जाएगी। इससे छात्रावासियों की जानकारी आमजन के लिए भी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। hmstribal.cg.nic.in पोर्टल पर जाकर विद्यार्थी उपस्थिति रिपोर्ट मेनू पर क्लिक करने पर शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं विशिष्ट संस्थाओं सहित विभिन्न संस्थाओं में प्रवेशित छात्र-छात्राओं की जानकारी मिल जाएगी।

पांच दिवसीय जर्नलिस्ट फेस्ट में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

प्रेस क्लब के 'दृश्य संवाद 2026' से ताजा हुईं साय की यादें, एक-एक लम्हा है तस्वीरों में कैद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तस्वीरें बीते हुए समय को वर्तमान से जोड़ती हैं। कभी वे इतिहास का दस्तावेज बनती हैं तो कभी जीवन के भूले-बिसरे पलों को फिर से जीवंत कर देती हैं। राजधानी रायपुर में कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी वर्षों पुरानी तस्वीरों के माध्यम से सार्वजनिक जीवन के लंबे सफर को एक बार फिर जिया। कहीं पहली बार विधायक बनने की स्मृतियां थीं, तो कहीं गांव, खेत और मिट्टी से जुड़े जीवन की झलक।

इस दौरान मुख्यमंत्री का एक अलग अंदाज भी देखने को मिला। उन्होंने स्वयं कैमरा संभाला और एक फोटो पत्रकार की तस्वीर खींचकर इस अवसर को यादगार बना दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर प्रेस क्लब द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट 'दृश्य संवाद 2026' के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया और फोटो पत्रकारों तथा ओपन कैटेगरी के प्रतिभागियों द्वारा खींची गई तस्वीरों की सराहना की।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने जब अपने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी पुरानी तस्वीरें देखीं तो उनके साथ जुड़ी अनेक स्मृतियां भी ताजा हो गईं। वर्षों पुराने चित्रों को देखते हुए उन्होंने अपने साथ मौजूद लोगों से कई रोचक संस्मरण साझा किए। अपनी पहली बार विधायक बनने के समय की एक तस्वीर देखकर मुख्यमंत्री ने बताया कि उस समय उन्होंने विशेष रूप से सफारी सूट सिलवाया था। इस छोटे से संस्मरण ने वहां मौजूद लोगों के बीच सहज और आत्मीय माहौल बना दिया।

प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री श्री साय के ग्रामीण जीवन और खेती-किसानी से जुड़ी तस्वीरें भी प्रदर्शित की गई थीं। हल चलाते हुए अपनी तस्वीर देखकर उन्होंने खेती के दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि गांव और खेती-किसानी से जुड़ी तस्वीरें उन्हें अपनी मिट्टी, खेत-खलिहान और पुराने दिनों की याद दिलाती हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण जीवन से जुड़े अपने अनुभव भी फोटो पत्रकारों के साथ साझा किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फोटो पत्रकारों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि तस्वीरें केवल किसी घटना या क्षण को दर्ज करने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे समय, समाज और स्मृतियों को आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजती हैं। कई बार एक तस्वीर बिना शब्दों के पूरी कहानी कह देती है। फोटो पत्रकार कठिन परिस्थितियों में भी घटनास्थल पर पहुंचकर समाज और इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों को कैमरे में दर्ज करते हैं। उनका काम पत्रकारिता का महत्वपूर्ण और प्रभावशाली पक्ष है।

मुख्यमंत्री ने 'दृश्य संवाद 2026' की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन फोटोग्राफी और फोटो पत्रकारिता की रचनात्मकता को मंच प्रदान करते हैं। इसके माध्यम से नई पीढ़ी को अनुभवी फोटो पत्रकारों के काम को देखने, समझने और सीखने का अवसर भी मिलता है।

पांच दिवसीय 'दृश्य संवाद 2026' में प्रेस फोटो पत्रकारों के साथ ओपन कैटेगरी के प्रतिभागियों की तस्वीरों को भी स्थान दिया गया। प्रकृति एवं पर्यावरण, संस्कृति एवं परंपरा तथा समाचार एवं जनसरोकार सहित विभिन्न विषयों पर प्रदर्शित तस्वीरों ने छत्तीसगढ़ के जीवन, समाज और परिवेश के विविध रंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। पांच दिनों के दौरान बड़ी संख्या में पत्रकारों, विद्यार्थियों, फोटोग्राफी प्रेमियों और नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव सुश्री निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े उपस्थित थे। फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट के संयोजक दीपक पांडे, वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट गोकुल सोनी, प्रदीप डडसेना, राजकुमार चतुर्वेदी, रुपेश यादव, नरेंद्र बंगाले, सुधीर सागर, रमन हलवाई, किशन लोखंडे, मनोज देवांगन, विजय देवांगन, विनय घाड़गे, पंकज चौहान, हीरा मानिकपुरी, त्रिलोचन मानिकपुरी, हेमंत गोस्वामी, जय गोस्वामी, पंकज सिंह सहित बड़ी संख्या में फोटो जर्नलिस्ट उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ जुवेनाइल डायबिटीज पेरेन्ट्स एसोसिएशन ने पूरे किये दस साल

स्वास्थ्य मंत्री ने दी मुफ्त ग्लूमीटर योजना की जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ जुवेनाइल डायबिटीज पेरेंट्स एसोसिएशन ने अपनी सेवा के दस साल पूरे होने पर रविवार को निरंजन धर्मशाला, वीआईपी रोड, रायपुर में एक बड़े शिक्षा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस कार्यक्रम में टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों के लिए जानकारी, सहयोग और हौसला बढ़ाने का माहौल तैयार किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल कार्यक्रम में शामिल हुए। सबसे खास पल तब आया जब मंत्री जी ने सभी टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चों के साथ एक ही जगह बैठकर भोजन किया।

श्री जायसवाल ने कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने और पारदर्शी स्वास्थ्य व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुफ्त ग्लूकोमीटर सुविधा की जानकारी दी और मौके पर ही 20 जरूरतमंद बच्चों को ग्लूकोमीटर वितरित किए। कार्यक्रम में कुल 125 बच्चों का पंजीयन हुआ और लगभग 100 परिवार शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत सीजीडीपीए रायपुर के शिबाली के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने संस्था के पिछले 10 साल के सफर की जानकारी दी। इसके बाद हुए परिचय सत्र में सभी टाइप-1 डायबिटीज बच्चों ने खुद अपना परिचय दिया, जिससे कार्यक्रम में एक अपनापन और सामुदायिक भावना का माहौल बना।

कार्यक्रम के एक बेहद भावुक हिस्से में टाइप-1 डायबिटीज बच्चों, उनके माता-पिता और डायबिटीज के साथ जी रहे कामकाजी पेशेवरों ने अपने अनुभव साझा किए। बच्चों और अभिभावकों ने शुरुआती जांच के समय की चुनौतियों, रोज की देखभाल और एक-दूसरे के सहयोग से मिली ताकत के बारे में बताया।

देश के जाने-माने डॉक्टरों और एंडोक्रिनोलॉजिस्ट ने तकनीकी सत्र लिए और परिवारों को रोज़मर्रा की देखभाल के तरीके सिखाए। एम्स रायपुर की डॉ. सिमरन स्याल ने इंसुलिन थेरेपी, इंसुलिन की सही स्टोरेज और इंजेक्शन की सही तकनीक के बारे में बताया। पोषण विशेषज्ञ डॉ. शिल्पी गोयल ने कार्बोहाइड्रेट काउंटिंग और संतुलित पोषण पर सत्र लिया। एम्स रायपुर की डॉ. नीलम यादव ने बीमारी के दौरान बच्चों की देखभाल और डायबिटीज के प्रकार के बारे में समझाया। देवी वीमेन एंड चाइल्ड हॉस्पिटल की डॉ. प्रीति सिंह ने महिलाओं और किशोरियों में डायबिटीज प्रबंधन पर बात की। डॉ. संजीव कुमार ने बच्चों में मोटापे से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950